Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24
website- www.dvpnews.in
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 299 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 21 मई 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

उस रात को ही प्रभात समझो, जिस रात को तुम्हें आत्मोपलब्धि प्राप्त हो जाए।
Treat that night as day in which you realize yourself.
आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी राजस्थान का करेंगे दौरा, देंगे 26 हजार करोड़ की सौगात

दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 22 मई को राजस्थान के दौरे पर आएंगे। वे बीकानेर जाएंगे और सुबह करीब 11 बजे देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके अलावा, प्रधानमंत्री सुबह लगभग 11:30 बजे अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन का उद्घाटन करेंगे और बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री 26,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित करेंगे और पलाना में एक सार्वजनिक समारोह को भी संबोधित करेंगे।

देश में फिर कोरोना की दहशत, मुंबई में 53 मरीज मिले पॉजिटिव, 2 की मौत

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई में एक बार फिर कोरोना संक्रमण ने रफ्तार पकड़ ली है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में अब तक कुल 53 कोरोना पॉजिटिव मरीजों की पुष्टि हो चुकी है, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। वहीं, संक्रमण के चलते दो मरीजों की मौत भी दर्ज की गई है। हालांकि, दोनों ही मरीज पहले से गंभीर बीमारियों से ग्रस्त थे-एक को मुंह का कैंसर था और दूसरा नेफ्रोटिक सिंड्रोम से पीड़ित था।

समाधान शिविर सरकार की जवाबदेही और जनसेवा का प्रतीक : सीएम विष्णुदेव साय

मुरमुंदा के हाईस्कूल को हायर सेकण्डरी स्कूल में उन्नयन की घोषणा

हितग्राहियों को सामग्री, चेक, केसीसी और एटीएम कार्ड वितरित

शिविर में किया गया सामग्री वितरण

मुख्यमंत्री श्री साय ने समाधान शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को गृह प्रवेश की चाबियां, मनरेगा श्रमिकों को जॉब कार्ड, पात्र हितग्राहियों को सामाजिक पेंशन, किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, चेक और एटीएम कार्ड वितरित किए। मुख्यमंत्री श्री साय ने अंत में कहा कि सरकार का कार्य सिर्फ शासन चलाना नहीं, बल्कि जनता की सेवा करना है। जब शासन जनता के द्वार तक आता है, तभी असली सुशासन स्थापित होता है।

रायपुर (विश्व परिवार)। सरकार का काम केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। जब हम गांव-गांव जाकर समाधान शिविर लगाते हैं, तो यह हमारी जवाबदेही का प्रमाण है। यह कार्य वही सरकार कर सकती है, जो ईमानदारी से जनता के लिए काम करती हो। यह बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज दुर्ग जिले के धमधा विकासखंड की ग्राम पंचायत मुरमंदा में आयोजित समाधान शिविर को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाधान शिविर केवल एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की जनसामान्य के प्रति उत्तरदायित्व का जीवंत प्रमाण है। हमारी सरकार ने एक वर्ष पूर्ण होने पर जनता के समक्ष रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया था, और अब डेढ़ साल बाद पुन: जनता के बीच अपने कामकाज का रिपोर्ट दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन तिहार के तहत् दुर्ग 19 वां जिला है जहां वे सुशासन शिविर में शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि औचक निरीक्षण और सुशासन शिविर में लोगों से फीडबैक पाकर इस बात की खुशी होती है कि हमारी सरकार ने डेढ़ सालों में जो काम किया है उसका लाभ जनता को मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि मुरमुंदा शिविर में कुल 2630 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 2539 मामलों का मौके पर समाधान कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का पूर्ण निराकरण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमारी सरकार हर घर तक बिजली और नल से जल पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना में 18 लाख गरीब परिवारों के हक छीनने का काम किया। गरीबों से उनका घर और छत छीनने का काम करके पूर्ववर्ती सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना का बंटाधार कर दिया था। इसी तरह, नल-जल योजना में भी पिछली सरकार की अनियमितताओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव में टंकियां तो बना दी गईं, लेकिन पानी का कोई प्रबंध नहीं था। हमारी सरकार ने इन योजनाओं को सुधारा और धरातल पर लागू किया।

किसान, मजदूर और बुजुर्ग हर वर्ग के लिए योजनाएं- मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार अपने वादे के अनुसार किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3100 रूपए की दर से कर रही है, पिछले दो वर्षों का बोनस भी किसानों को दिया गया है। मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के माध्यम से बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा का अवसर मिला है। श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना के तहत 22000 से अधिक लोग अयोध्या दर्शन कर चुके हैं। भूमिहीन कृषि मजदूरों को 10,000 रूपए की वार्षिक सहायता दी जा रही है। स्वामित्व कार्ड का वितरण तेजी से किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने भूमि रजिस्ट्री प्रणाली में सुधार का भी उल्लेख किया और बताया कि अब रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण स्वत: हो जाएगा, लोगों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। यदि कोई व्यक्ति अपने बेटा-बेटी को ज़मीन देना चाहता है, तो 500 रूपए में दानपत्र देकर कार्य पूरा कर सकता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्रों की स्थापना की जा रही है। अब तक 1460 ग्राम पंचायतों में यह केंद्र शुरू हो चुके हैं, जहां प्रतिदिन 1 से 1.5 लाख रुपए तक के बैंकिंग ट्रांजेक्शन हो रहे हैं। अगले एक वर्ष में सभी ग्राम पंचायतों तक यह सुविधा पहुंचाने का लक्ष्य है।

सुशासन शिविर को उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विधायक साजा ईश्वर लाल साहू, पूर्व विधायक प्रेमप्रकाश पांडेय, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं मुरमुंदा सहित 15 पंचायतों के ग्रामीण जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अमृत भारत स्टेशन योजना : पीएम मोदी 22 मई को करेंगे पुनर्विकसित छत्तीसगढ़ के 5 स्टेशनों का लोकार्पण

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय रेलवे की दूरदृष्टिपूर्ण पहल अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के विभिन्न जगहों पर स्थित रेलवे स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 22 मई 2025 (बृहस्पतिवार) को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण / राष्ट्र को समर्पण किया जाएगा।

इस ऐतिहासिक अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित 05 प्रमुख स्टेशनों का भी लोकार्पण किया जाएगा, जिनमें 1. डोंगरगढ़ 2. भानुप्रतापपुर 3. भिलाई 4. उरकुरा 5. अंबिकापुर स्टेशन शामिल है।

अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेलवे द्वारा शुरू की गई एक राष्ट्रव्यापी पहल है, जिसका उद्देश्य स्टेशनों को पुनर्विकसित कर उन्हें यात्री सुविधाओं, संरचना, प्रौद्योगिकी और सौंदर्यीकरण के क्षेत्र में आधुनिक और भविष्योन्मुख बनाना है।

इस योजना के अंतर्गत निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है- अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं, जैसे आधुनिक प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, लिफ्ट, एस्केलेटर। डिजिटल सूचना प्रणाली और डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड्स। ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा, वर्षा जल संचयन, ऊर्जा दक्षता। स्टेशन परिसरों का सौंदर्यीकरण, भित्तिचित्र, हरित क्षेत्र और स्थानीय संस्कृति को दर्शाने वाले तत्व। दिव्यांगजन के लिए सुगम पहुंच, टैक्टाइल पाथ, रैम्प आदि।

व्यवस्थित यातायात और पार्किंग व्यवस्था- इस योजना के माध्यम से रेलवे स्टेशन न केवल यात्री सुविधाओं के केंद्र होंगे, बल्कि वे सांस्कृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में भी विकसित होंगे।

छत्तीसगढ़ में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास कार्य- छत्तीसगढ़ राज्य के कुल 32 रेलवे स्टेशनों का चयन इस योजना के तहत किया गया है, जिनपर कुल अनुमानित लागत ?1680 करोड़ है। इन स्टेशनों पर अधोसंरचना विकास, अत्याधुनिक सुविधाओं का निर्माण तथा स्थानीय कला और विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के अमृत भारत स्टेशन- 1. भाटापारा 2. भिलाई पावर हाउस 3. तिल्दा नेवरा 4. बिल्हा 5. भिलाई 6. बालोद 7. दल्ली राजहरा 8. भानुप्रतापपुर 9. हथबंद 10. सरोना 11. मरोदा 12. मंदिर हसौद 13. उरकुरा 14. निपानिया 15. भिलाई नगर 16. रायपुर 17. दुर्ग 18. राजनांदगांव 19. डोंगरगढ़ 20. रायगढ़ 21. बाराद्वार 22. चाम्पा 23. नैला-जांजगीर 24. अकलतरा 25. कोरबा 26. उसलापुर 27. पेंड्रारोड 28. बैकुंठपुर रोड 29. अंबिकापुर 30. बिलासपुर 31. महासमुंद 32. जगदलपुर

इन स्टेशनों का पुनर्विकास राज्य के दूरस्थ एवं औद्योगिक क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने, पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय लोगों के जीवनस्तर को सुधारने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम सिद्ध होगा।

भारतीय रेलवे नये भारत की परिकल्पना को साकार करते हुए अपने स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रमों के माध्यम से देश के हर नागरिक को सुविधा और प्रगति से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार, छगन भुजबल ने मंत्री पद की शपथ ली

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शपथ ग्रहण समारोह में मंत्री पद की दिलाई शपथ

मुंबई (एजेंसी)। वरिष्ठ एनसीपी नेता और समता परिषद के संस्थापक छगन भुजबल मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मंत्रिमंडल का हिस्सा बन गए हैं। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को एक समारोह में उन्हें मंत्री पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार, मंत्रियों, सरकारी अधिकारियों और एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल सहित अन्य नेताओं की उपस्थिति में हुआ।

समारोह के बाद भुजबल ने कहा, मैं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ-साथ सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल का भी आभार व्यक्त करता हूं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी आभार व्यक्त करता हूं। इसके साथ ही मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र के सभी लोगों, कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों, समता परिषद के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का भी आभार व्यक्त करता हूं। मैं उन सभी का भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने अब तक मुझे प्यार और स्नेह दिया है।

छगन भुजबल को खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग मिलने की उम्मीद है, उन्होंने इससे पहले इस विभाग की जिम्मेदारी उद्धव ठाकरे और फिर एकनाथ शिंदे (2019-24) के नेतृत्व वाली पिछली सरकारों में उठाई थी। भुजबल तब काफी समय से नाराज चल रहे थे।

अब सड़क हादसों में घायलों को मिलेगा तुरंत इलाज

7 दिन तक सभी अस्पतालों में कैशलेस उपचार अनिवार्य, आदेश जारी

रायपुर (विसं)। सड़क हादसों में घायल लोगों के लिए एक बेहद राहत भरी खबर सामने आई है। अब दुर्घटना के घायलों का पहले 7 दिन हर अस्पताल को नगदी रहित (कैश लेस)इलाज करना अनिवार्य है। यह इलाज स्वास्थ्य विभाग से मान्यता प्राप्त प्रदेश के 134,और राज्य के बाहर के सभी 61 अस्पतालों को करना होगा। यानी किसी अन्य राज्य में प्रवास पर जाने के दौरान दुर्घटना होने पर वहां भी कैश लेस इलाज हो सकेगा। सड़क सुरक्षा के लिए पीएचक्यू मे गठित अंतरविभागीय लीड एजेंसी मे सभी कलेक्टर,पुलिस अधीक्षकों को कल ही यह पत्र जारी किया है। भारत सरकार के राजपत्र में ,5 मई को प्रकाशित नगदी रहित उपचार स्कीम 2025 अधिसूचना के हवाले से राज्य एजेंसी ने यह आदेश जारी किया है।यह कैश लेस इलाज, दुर्घटना के बाद पहले 7 दिन तक 1.50 लाख रूपए तक हो सकेगा। बता दें कि सरकार की इस पहल से पैसे के अभाव में घायलों की मौत हो होगी।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : दुर्ग-भिलाई, महासमुंद समेत कई जिलों में एसीबी और ईओडब्ल्यू टीम की छापेमारी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में दो हजार करोड़ रुपये के शराब घोटाले मामले में एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम ने प्रदेश के कई जिलों में छापेमारी की है। दुर्ग-भिलाई, महासमुंद, धमतरी, रायपुर समेत 20 से ज्यादा जगहों पर टीम ने दबिश दी है। बताया जाता है कि दुर्ग-भिलाई में 22 जगहों पर कार्रवाई चल रही है। एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीमें चार गाड़ियों में मंगलवार सुबह पांच बजे भिलाई पहुंची। महासमुंद जिले के सांकरा और बसना में भी छापेमारी चल रही है। सबसे बड़ी कार्रवाई भिलाई में ही चल रही है। प्रदेश के पूर्व आबकारी मंत्री रह चुके कवासी लखमा के करीबियों के ठिकानों पर कार्रवाई की जा रही है। टीम कागजों की जांच-पड़ताल कर रही है। इस छापेमारी से पूरे प्रदेशभर में हड़कंप मचा हुआ है। टीम जगह-जगह पहुंचकर छापेमारी कर रही है। दुर्ग-भिलाई में एसीबी और ईओडब्ल्यू की टीम शराब घोटाले से जुड़े कारोबारियों के यहां पहुंची है। भिलाई के आम्रपाली अपार्टमेंट में अशोक अग्रवाल की फेब्रीकेशन और अन्य चीजों की फैक्ट्री है। अशोक अग्रवाल पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के करीबी हैं। उन पर लखमा के साथ मिलकर शराब घोटाले को अंजाम देने का आरोप है। इसके अलावा एसके केजरीवाल, नेहरू नगर भिलाई, विनय अग्रवाल, खुर्सीपार, संजय गोयल, डायरेक्टर स्पर्श हॉस्पिटल, नेहरू नगर, विश्वास गुप्ता बिल्डर, दुर्ग, बंसी अग्रवाल, नेहरू नगर भिलाई, आशीष गुप्ता, डायरेक्टर, आशीष इंटरनेशनल होटल सुपेला, नेहरू नगर स्थित घर में कार्रवाई जारी है।

नहीं रहे परमाणु वैज्ञानिक एमआर श्रीनिवासन

95 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

चेन्नई (एजेंस)। परमाणु वैज्ञानिक और परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एम.आर. श्रीनिवासन का मंगलवार को तमिलनाडु के उधगमंडलम में निधन हो गया। वे 95 वर्ष के थे। भारत के सिविल न्यूक्लियर एनर्जी प्रोग्राम के प्रमुख वास्तुकार, डॉ. श्रीनिवासन ने परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) में करियर सितंबर 1955 से शुरू किया, जो पांच दशकों से भी ज्यादा चला।

उन्होंने डॉ. होमी भाभा के साथ मिलकर भारत के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर अप्सरा के निर्माण में काम किया, जो अगस्त 1956 में शुरू हुआ था।

1959 में उन्हें देश के पहले परमाणु ऊर्जा स्टेशन के लिए प्रधान परियोजना इंजीनियर नियुक्त किया गया। 1967 में, उन्होंने मद्रास परमाणु ऊर्जा स्टेशन के मुख्य परियोजना इंजीनियर के रूप में जिम्मेदारी संभाली, जिसने भारत की आत्मनिर्भर परमाणु ऊर्जा क्षमताओं की नींव रखी। 1974 में वे डीएई के पावर प्रोजेक्ट्स इंजीनियरिंग डिवीजन के निदेशक बने और एक दशक बाद न्यूक्लियर पावर बोर्ड के अध्यक्ष का पद संभाला। उनके नेतृत्व में देश ने अपने परमाणु बुनियादी ढांचे में तेजी से विकास देखा, जिसमें श्रीनिवासन ने भारत भर में प्रमुख बिजली संयंत्रों की योजना, निर्माण और कमीशनिंग की देखरेख की। 1987 में उन्हें परमाणु ऊर्जा आयोग का अध्यक्ष और परमाणु ऊर्जा विभाग का सचिव नियुक्त किया गया। उसी साल वे न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) के संस्थापक अध्यक्ष भी बने। उनके कार्यकाल में उल्लेखनीय विस्तार हुआ और उनके मार्गदर्शन में 18 परमाणु ऊर्जा इकाइयां विकसित की गईं, जिनमें सात चालू हो गई थीं और सात निर्माणाधीन थीं।

निचली अदालतों में जजों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, उम्मीदवारों के लिए तीन साल की प्रैक्टिस जरूरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को निचली अदालतों में जजों की नियुक्ति पर फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि सभी उच्च न्यायालय और राज्य नियमों में संशोधन करेंगे, ताकि सिविल जज सीनियर डिवीजन के लिए विभागीय परीक्षा के जरिए 10 प्रतिशत पदोन्नति को बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया जाए।

साथ ही सर्वोच्च अदालत ने सिविल जज जूनियर डिवीजन परीक्षा में बैठने के लिए 3 साल की न्यूनतम प्रैक्टिस की आवश्यकता को बहाल किया है। इसके अलावा, राज्य सरकारें सिविल जज सीनियर डिवीजन के लिए सेवा नियमों में संशोधन करके इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाएंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, सभी राज्य सरकारें नियमों में संशोधन करके यह सुनिश्चित करेंगी कि सिविल जज जूनियर डिवीजन के लिए परीक्षा में शामिल होने वाले किसी भी उम्मीदवार के पास कम से कम 3 साल की प्रैक्टिस का अनुभव होना चाहिए। इसे बार में 10 साल का अनुभव रखने वाले वकील द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, जजों के लिए लॉ क्लर्क के रूप में किए गए काम के समय को भी जोड़ा जाएगा। साथ ही जज चुने जाने के बाद अदालत में सुनवाई से पहले उन्हें एक साल का प्रशिक्षण लेना होगा।

बांग्लादेशियों का अड्डा बने इलाके में फिर बुलडोजर एक्शन

अब आठ हजार अवैध निर्माण होंगे ध्वस्त

अहमदाबाद (ए)। बांग्लादेशियों का अड्डा बने अहमदाबाद में चंडोला तालाब के किनारे तीन दिन चलने वाले अवैध निर्माण हटाने के काम की शुरुआत हो गई है। इस दूसरे चरण में 50 बुलडोजर एवं नगर निगम की 50 टीमें 3,000 से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर लगभग 8,000 अवैध ढांचों को ध्वस्त करेंगी। इससे करीब 2.5 लाख वर्ग मीटर जमीन खाली होगी।

पहले चरण में 4,000 अवैध निर्माण हटाए गए थे, जिससे 1.5 लाख वर्ग मीटर जगह मिली थी। नगर निगम ने सर्वे के बाद 2010 से पहले से यहां रह रहे लोगों को वैकल्पिक आवास देने के लिए आवेदन पत्र वितरित किए हैं। पात्र लोगों को हटाए जाने पर नए आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

पुलिस कमिश्नर जी.एस. मलिक ने बताया कि इनमें पिछले महीने पकड़े गए 250 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों में से 207 लोग रहते थे और वे गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल थे। 2009 में भी इसी इलाके में पहले डिमोलिशन का प्रयास किया गया था। स्थानीय निवासियों ने पहले चरण के दौरान हाईकोर्ट में अवैध निर्माण रोकने की मांग की थी।

पूरा पाकिस्तान भारत की सीमा में है...'ऑपरेशन सिंदूर' पर सेना अधिकारी का बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना के वायु रक्षा प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी'कुन्हा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर महत्वपूर्ण खुलासा करते हुए कहा कि भारत के पास पूरे पाकिस्तान में किसी भी लक्ष्य पर सटीक हमले की क्षमता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चाहे पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय (जीएचक्यू) को रावलपिंडी से खैबर पख्तूनख्वा स्थानांतरित ही क्यों न किया जाए, पूरे पाकिस्तान की वायु सीमाएँ और उसके अंदरूनी भाग भारत के वर्जन (विजिलेंस) दायरे में हैं। जनरल डी'कुन्हा ने एएनआई को दिए इंटरव्यू में बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हमलों ने पाकिस्तानी एयरबेसों को नष्ट करने के साथ उनकी रक्षा क्षमताओं को भंग कर दिया। भारत के पास न केवल सीमा पर बल्कि गहराई में जाकर भी लडने् के पर्याप्त आयुध हैं, उन्होंने कहा। सबसे बड़े से लेकर सबसे छोटे लक्ष्य तक, पूरे पाकिस्तान की हवाई सीमाएँ हमारी निगरानी में हैं, और हम हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वायु रक्षा प्रमुख ने यह भी रेखांकित किया कि सशस्त्र बलों का प्रथम कर्तव्य अपने देश की संप्रभुता और नागरिकों की रक्षा करना है।

निगम आयोगों में पूर्व में प्रस्तावित नियुक्तियों में हुआ आंशिक संशोधन

मुख्यमंत्री साय ने निगम/ मंडल/ आयोग में नियुक्त अध्यक्षों एवं उपाध्यक्ष को दी शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन द्वारा निगम आयोगों में पूर्व में प्रस्तावित नियुक्तियों में आंशिक संशोधन करते हुए श्रीमती शालिनी राजपूत को छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड का अध्यक्ष, श्रीमती चन्द्रकान्ति वर्मा को छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का उपाध्यक्ष, श्री श्रीनिवास राव मद्दी को छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड का अध्यक्ष तथा श्री केदार नाथ गुप्ता को छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सभी सम्मानितों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास जताया कि सभी अपने-अपने दायित्वों का प्रतिबद्धता से निर्वहन करते हुए राज्य के विकास और जनहित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

विशेष पिछड़ी जनजाति के कमार बसाहटों में जनमन योजना से पहुंची जलधार

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में केंद्रीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इनमें से एक प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत धमतरी जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में बसे विशेष पिछड़ी जनजाति के कमार परिवारों को अब साफ पेयजल उपलब्ध हो रहा है।

धमतरी जिले में सुदूर वनांचलों और घने जंगलों में बसने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति कमारों के 92 ग्राम पंचायतों के 118 गांवों की 130 बसाहटों में एक हजार 981 परिवार निवासरत हैं। यहां रहने वाले लोगों को पीने के लिए साफ पानी की व्यवस्था अपने घरों से दूर जंगलों, तालाबों या पोखरों से करना प ?ता था। कई बसाहटें पानी के लिए जंगलों में बहने वाले मौसमी नदी-नालों पर निर्भर थीं। पानी के लिए बहुत दूर तक जाने में लगने वाले शारीरिक श्रम, गर्मी-बरसात-ठंड के मौसम में होने वाली असुविधाओं के साथ-साथ पोखरों-तालाबों-नालों के अशुद्ध पानी के कारण होने वाली बीमारियों से भी लोगों को जूझना प ?ता था। सुदूर जंगलों में पैदल चलते रहने से सांप-बिच्छुओं के साथ-साथ जंगली जानवरों के हमले का डर भी हमेशा लगा रहता था।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुसार विशेष पिछ ?ी जनजातियों को विकास की मुख्य धारा से जो ?ने और उनके रहवास क्षेत्र को विकसित करने के लिए पीएम जनमन अभियान धमतरी जिले में शुरू किया गया। इस अभियान के तहत विशेष पिछ ?ी जनजाति कमार क्षेत्रों का समग्र विकास करने की योजना तैयार की गई। इन कमार बसाहटों में पीने का साफ पानी घर-घर पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन के तहत रेट्रोफिटिंग, सिंगल विलेज व समूह जल प्रदाय योजनाओं को स्वीकृत किया गया। योजनाओं के अनुसार चयनित गांवों में हैण्डपम्प, ट्यूबवेल जैसे जलस्त्रोत बनाए गए। गांवों में आरसीसी ओवरहेड पानी टंकियों का निर्माण किया गया। इन पानी टंकियों से बसाहटों के हर घर में पाईप लाईन बिछाकर नल कनेक्शन दिए गए। जिन गांवों-बसाहटों में बिजली की व्यवस्था नहीं थी, वहां सौर ऊर्जा चलित पम्प लगाकर पानी की आपूर्ति घर-घर में लगे नलों में की गई। आज पीएम जनमन योजना के माध्यम से कमार बसाहटों के एक हजार 958 घरों में नलों से शुद्ध पानी पहुंचाया जा रहा है।

पानी लाने के लिए दूर जंगलों में जाने की मजबूरी अब खत्म होने से उनका शरीरिक श्रम बचा ही है, इसके साथ ही आने-जाने में लगने वाले समय का उपयोग वनोपज संग्रहण, घर-गृहस्थी संभालने, बच्चों की देखरेख आदि में लगा रहे हैं। कुछ कमार घरों में अब बा ?ी भी लगने लगीं हैं, जिससे उन्हें अपने घर में ही स्वादिष्ट और पौष्टिक सब्जियां मिल रहीं हैं।

वनमंत्री ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं के लाभ पहुंचाने के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित, रायपुर द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के बच्चों को छात्रवृत्ति का वितरण किया गया। यह राशि सुकमा जिले के लाभार्थियों अथवा उनके माता-पिता के बैंक खातों में सीधे अंतरित की गई।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने वन विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किए है कि विभाग द्वारा चलाई जा रही शासकीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा सभी लाभार्थियों को समय पर लाभ पहुंचाया जाए। वन मंडलाधिकारी सुकमा श्री अक्षय भोंसले ने बताया कि मेधावी छात्रवृत्ति योजना के तहत 46 छात्रों को कुल, एक लाख चौबीस हजार पांच सौ रूपए की राशि वितरित की गई है। वहीं प्रतिभाशाली छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत कुल 34 छात्रों को पांच लाख सत्तर हजार रूपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। इसके अलावा व्यवसायिक छात्रवृत्ति योजना के तहत 6 विद्यार्थियों को कुल चालीस हजार रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि प्रदान की गई है।

वनमंडलाधिकारी श्री भोंसले ने यह भी बताया कि एक अभिनव पहल के रूप में वन विभाग के कर्मचारियों को यह निर्देशित किया गया है कि वे प्रत्येक तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार को इस आर्थिक सहायता की जानकारी दें और यह सुनिश्चित करें कि लाभार्थियों को राशि की जानकारी समय पर मिले। इसके साथ ही उन्होंने जंगल में रहने वाले समुदायों से आह्वान किया है कि वे आगे आएं और तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य में भाग लें, जिससे वे भी शासन की कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित हो सकें।

लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के आवेदन 31 मई तक आमंत्रित

रायपुर (विश्व परिवार)। संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन छत्तीसग? द्वारा प्रदत्त अनुमति के अनुसार प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला रायपुर द्वारा आगामी लेखा प्रशिक्षण सत्र जुलाई-अक्टूबर 2025 के लिए आवेदन पत्र 31 मई 2025 तक आमंत्रित किए गए हैं। संबंधित कार्यालय प्रमुख द्वारा तीन वर्ष की नियमित सेवा पूरा कर चुके लिपिक वर्गीय कर्मचारियों के निर्धारित प्रपत्र में प्रेषित आवेदन पत्र शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला, नगर घ ?ी चौक रायपुर को 31 मई 2025 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त हो जाना चाहिए। इस संबंध में शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला के प्राचार्य द्वारा स्पष्ट किया गया है कि लिपिकीय वर्गीय कर्मचारी से आशय ऐसे कर्मचारी से है, जिनकी पदस्थापना लिपिकीय संवर्ग के पद पर हुई है न कि किसी तकनीकी संवर्गीय पद पर है। इस तिथि के पूर्व एवं पश्चात प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन पत्र के साथ नोटराइज्ड शपथ-पत्र संलग्न होना अनिवार्य है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर

नगर निगम मुख्यालय, रंग मंदिर के पास, गांधी चौक, छोटापारा, रायपुर (छ.ग.)
Pho, no. 0771-2535780,90, Fa&. 077172227395, E-mail- dc_rmc@rediffmail.com

// निविदा आमंत्रण सूचना //

क्रमांक/45/का.अ./फि.प्लांट/न.नि./25 — रायपुर, दिनांक 20/05/2025

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा नगर निगम एवं अन्य शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय विभागों में कार्य के अनुभवीएवं सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्म से निर्धारित प्रपत्र में निर्धारित समयावधि में सील बंद निविदाए आमंत्रित की जाती है। सभी सील बंद निविदाएं स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से कार्यपालन अभियंता, फिल्टर प्लांट नगर पालिक निगम रायपुर को प्रेषित की जावेगी। निविदा खोलने के समय ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधि उपस्थित रह सकते है। विवरण निम्नानुसार है -

1. आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय - 02/06/2025 सांयकाल 5.00 बजे तक
2. परीक्षण उपरांत योग्य निविदाकारों को निविदा जारी करने की अंतिम तिथि - 03/06/2025 सांयकाल 2.00 बजे तक
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय - 09/06/2025 सांयकाल 3.00 बजे तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय - 10/06/2025 सांयकाल 4.00 बजे तक

क्र.	विवरण	प्राक्कलन राशि	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	प्रपत्र के प्रकार
1.	रॉ वाटर एवं क्लीयर वाटर पाईप लाईन के विभिन्न स्थानों में स्थापित एयर वाल्व / स्लूस वाल्व के चेम्बरों का नवीन निर्माण कार्य। (As Per PHE SOR 01-06-2020, Amendment 07/2022)	9,96,500.00	10,000.00	750.00	03 माह	"A"
2	फिल्टर प्लांट परिसर पर निर्मित पुराने एवं क्षति ग्रस्त बाउंड्रीवाल के स्थान पर नवीन बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य। (As Per PWD SOR 01-01-2015)	9,26,671.00	10,000.00	750.00	03 माह	"A"

निविदा की शर्ते -

1. निविदा से संबंधित अन्य शर्ते एवं जानकारी कार्यालयीन तिथि / समय में फिल्टर प्लांट नगर पालिक निगम, रायपुर रावणभाठा से प्राप्त की जा सकती है।
2. अमानती राशि (FDR) आयुक्त महोदय, नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा।
3. किसी भी निविदा को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार आयुक्त, न.पा.नि. रायपुर को होगा।
4. निविदाकारो को लिफाफा "अ" में अमानती राशि का FDR, निविदा प्रपत्र के मूल्य का DD एवं Pan Card/GST Certificate/PWD Registration/x year ta& return इत्यादि दस्तावेज की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करना होगा तथा लिफाफा "ब" में निविदा दर, डाउनलोड किये गये निविदा प्रपत्र में अंको एवं शब्दों में स्पष्ट अक्षरो में लिखा होना चाहिए। निविदा दर में कांट-छांट नही होना चाहिए। दोनो लिफाफा को एक अलग से बड़े लिफाफा में भरकर सीलबंद कर जमा करना होगा।
5. निविदाकारो को लिफाफा "अ" में आमानती राशि का स्नष्ठक्र, निविदा प्रपत्र के मूल्य का DD एवं Pan Card/GST Certificate/PWD Registration/x year ta& return इत्यादि दस्तावेज की सत्यापित प्रतिलिपि सही पाये जाने के उपरांत ही लिफाफा "ब" खोला जावेगा।
6. इसके अलावा नगर पालिक निगम, रायपुर के वेबसाईट http://nagarnigamraipur.nic.in से भी डाउनलोड कर निविदा डाल सकते है। डाउनलोड करने में निविदा प्रपत्र की राशि निविदा के साथ डी.डी. के रूप में जमा करना होगा। निविदा प्रपत्र कार्यपालन अभियंता, फिल्टर प्लांट नगर पालिक निगम रायपुर रावणभाठा को प्रेषित करना होगा।

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

कार्यपालन अभियंता (फिल्टर प्लांट)
नगर पालिक निगम, रायपुर

मुख्यमंत्री श्री साय ने किया एकजुटता का आह्वान, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस (21 मई) पर प्रदेशवासियों से आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि भारत की सुरक्षा, शांति, सद्भाव और अखंडता को बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक को संकल्पित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आतंकवाद, नक्सलवाद और भ्रष्टाचार जैसी देशविरोधी प्रवृत्तियों की जड़ें समाप्त करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। यही हमारे शहीद जवानों और मासूम नागरिकों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हाल ही में 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने सख्त कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवाद को करारा जवाब दिया है। यह अभियान आतंकवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक नीति और अडिग संकल्प का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारत ने आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को अपनाया है और यह स्पष्ट कर दिया है कि देश की संप्रभुता पर किसी भी प्रकार का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे एकजुट होकर आतंकवाद, उग्रवाद और अन्य राष्ट्रविरोधी ताकतों का डटकर मुकाबला करें, ताकि एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध भारत का निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मै गौरव दुबे पिता स्व. श्री व्ही. एन. दुबे, निवासी सत्य प्रेम विहार, आरबीआई के बाजू में महादेवघाट रोड सुंदर नगर रायपुर, पिन 492001 (छ.ग.)।

यह शपथ करता हुँ कि मैनें अपना पुराने नाम गौरव कुमार दुबे को त्याग कर नया नाम गौरव दुबे पिता स्व. श्री व्ही. एन. दुबे रख लिया है।

अत: आज से मुझे समस्त शासकीय अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजो में मेरे नये नाम गौरव दुबे पिता स्व. श्री व्ही. एन. दुबे के नाम से ही जाना पहचाना जाये।

गौरव दुबे
सत्य प्रेम विहार, आरबीआई के बाजू में महादेवघाट रोड, सुंदर नगर रायपुर
पिन 492001 (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)

ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./21009/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2025
रायपुर दिनांक : 20-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 21009
वार्ड का नाम-66-वामन राव लाखे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 66 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR566E00130** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SUDHIR SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MADAN MOHAN SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SARSWATI SEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DEVKARAN SEN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम,
रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,

सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनान्तर्गत शंकर नगर, रायपुर में स्थित भवन **क्रमांक एम.आई.जी.-22, सेक्टर-02, श्री गोपीचंद बागड़ी पिता स्व. चांदरतन बागड़ी** को इस कार्यालय का आबंटन **आदेश क्र.-976 दिनांक 21.01.1982** के माध्यम से आबंटित है। वर्तमान में आबंटी **श्री गोपीचंद बागड़ी पिता स्व. चांदरतन बागड़ी,** की मृत्यु **दिनांक 27.10.2022** को हो जाने के कारण उनके वारिसगण **1. श्री राजेश बागड़ी, 2. श्री बृजेश बागड़ी,** दोनों के **पिता स्व. गोपीचंद बागड़ी, 3. श्रीमती पुष्पा बागड़ी पति स्व. गोपीचंद बागड़ी, निवासी- एम.आई.जी.-22, सेक्टर-02, शंकर नगर, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा अपने संयुक्त नाम पर नामांतरण करने हेतु निर्धारित आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उपरोक्त भवन को उनके वारिसगण **1. श्री राजेश बागड़ी, 2. श्री बृजेश बागड़ी, दोनों के पिता स्व. गोपीचंद बागड़ी, 3. श्रीमती पुष्पा बागड़ी पति स्व. गोपीचंद बागड़ी,** के संयुक्त नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: उक्त भवन के नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,

सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा **कबीर नगर रायपुर** में निर्मित **दीनदयाल आवास योजना** के अंतर्गत, भवनों में से फ्लैट / भवन क्रमांक **एल.आई.जी. फ्लैट-66/792, द्वितीय-तल** में **श्री रजनीश गुप्ता पिता - श्री रामगती गुप्ता** को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा **दिनांक 20.08.2018** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट / भवन के विक्रय हेतु **दिनांक 13.05.2025** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट / भवन **श्री हरिश सिंह पिता - श्री नागेन्द्र सिंह** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)

अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./19065/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 20-03-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19065
वार्ड का नाम- 50 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445N00194** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHRIRATAN BHATTAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PREM RATAN BHATTAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ZAHEER SALAT** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O NASEEM SALAT** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)

शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./20811/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 20-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20811
वार्ड का नाम-10- रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 10 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR227N00646** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KRIPA RAM VERMA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O L.R. VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. निर्मला वर्मा 2 सोनल वर्मा 3 शिवानी वर्मा** पिता/पति श्री/श्रीमती **पति -1. स्व. श्री कृपाराम वर्मा 2. अनुराग वर्मा 3. संदीप वर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)

शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./20689/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 20-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20689
वार्ड का नाम-12- महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225F00223** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ROCHAL DAS** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LAKHI MAL MULWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. पवन कुमार मुलवानी 2. दीपक कुमार मुलवानी 3. अजय कुमार मुलवानी** पिता/पति श्री/श्रीमती **तीनों के पिता स्व. रोचलदास मुलवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री रमेश कुमार जायसवाल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 48 दिनांक 20.05.2025
वार्ड का नाम- मां शीतला माता वार्ड
वार्ड क्र. 17 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 17 मांग **पंजी क्र. 1140 युआईडी 36591** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **हीना, शमीम / रहबर खान** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **त्रिवेणी दिवाकर / चेलक दास दिवाकर** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **19-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 50 दिनांक 20.05.2025
वार्ड का नाम- कैलाश नगर वार्ड
वार्ड क्र. 21 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 21 मांग **पंजी क्र. 565 युआईडी 22110** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **यादराम साहू / ईश्वरचरण साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **प्रतिमा देवांगन / मुकेश देवांगन** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **19-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 51 दिनांक 20.05.2025
वार्ड का नाम- कैलाश नगर वार्ड
वार्ड क्र. 21 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 21 मांग **पंजी क्र. 193 युआईडी 21960** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **कुमारी बाई / स्व. चैतराम, रूपेन्द्र साहू, कमलेश साहू, तानेश्वरी साहू, तारा देवी साहू, मिथलेश साहू / स्व. चैतराम साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **रूपेन्द्र कुमार साहू / चैतराम साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **19-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 53 दिनांक 20.05.2025
वार्ड का नाम- शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड
वार्ड क्र. 26 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 26 मांग **पंजी क्र. 213 युआईडी 25172** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **बिहारी टंडन / हरिराम टंडन** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **पुष्पा डहरिया / मनोज दास डहरिया** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **19-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 54 दिनांक 20.05.2025
वार्ड का नाम- पं. सुन्दर लाल शर्मा वार्ड
वार्ड क्र. 27 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 54 मांग **पंजी क्र. 238 युआईडी 25557** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **मंगलू दास मानिकपुरी / कार्तिक मानिकपुरी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **ज्ञानदास मानिक / स्व. मंगलू दास मानिकपुरी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **19-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 49 दिनांक 20.05.2025
वार्ड का नाम- कैलाश नगर वार्ड
वार्ड क्र. 21 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में **वार्ड क्रमांक 21** मांग **पंजी क्र. 112 युआईडी 21927** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **डी. डम. बिल्डर्स / परेश कुमार मानिक** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **जगदीश साहू/ स्व. सुबे सिंह साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **19-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 52 दिनांक 20.05.2025
वार्ड का नाम- माधव राव सप्रे वार्ड
वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 20 मांग **पंजी क्र. 642 युआईडी 32447** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **पूजा देवी / अजय कुमार** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **महाबीर यादव / हरिशंकर यादव** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **19-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)

Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 47 दिनांक 20.05.2025
वार्ड का नाम- संत कबीर वार्ड
वार्ड क्र. 18 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 18 मांग **पंजी क्र. 456 युआईडी 20456** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **हरीश चंद्र निर्मलकर / राजाराम** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **प्रेमलता ठाकुर / शरद सिंह ठाकुर** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **19-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

संक्षिप्त समाचार

बिजली की चमक बादल की गर्जना एवं तेज हवाओं के बीच आधे घंटा जमकर हुई बारिश

सूरजपुर ब्यूरो (विश्व परिवार) कोयलांचल विश्रामपुर के साथ-साथ सूरजपुर जिला के विभिन्न क्षेत्रों में बादल की गर्जना बिजली की कड़क एवं तेज हवाओं के बीच आधे घंटे तक जमकर हुई बारिश । जानकारी के अनुसार आज दोपहर शाम 4 बजे बादल की कड़क बिजली की चमक तेज आंधी के बीच जमकर बारिश हुई। तेज चली हवा में कई वृक्ष उखड़ गए कई घरों का छप्पर उड़ गया कई विद्युत खंबे बाधित हुए परंतु इन सबों के बीच भीषण गर्मी में लोगों को कुछ राहत मिली ।फिलहाल समाचार लिखे जाने तक कोई अप्रिय घटना की जानकारी नहीं मिल पाई है।

23 मई को जिला पंचायत सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष की उपस्थिति में बैठक का आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो (विश्व परिवार)। श्री भरत मटियारा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड 23 मई को जिले के प्रवास पर होंगे। उनकी उपस्थिति में जिला पंचायत सभाकक्ष में 23 मई को समय 11.00 बजे बैठक का आयोजन किया जायेगा। जिसमें बोर्ड के उद्देश्यों के अन्तर्गत मछुआरों को शासन के कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने एवं मछुआरा वर्ग के कल्याण एवं विकास हेतु चर्चा किया जायेगा।

खाद्य विभाग द्वारा जून-अगस्त माह का चावल का आवंटन जारी

बेमेतरा (विश्व परिवार)। प्रदेश के राशन कार्डधारियों को राज्य शासन ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जून, जुलाई और अगस्त माह का एक साथ चावल का आवंटन जारी कर दिया है। राशन कार्डधारी को सुविधानुसार एक या तीन माह का चावल उठाव करने का विकल्प होगा। राशन कार्डधारियों को तीन माह का चावल एकमुश्त उठाव करने की बाध्यता नहीं होगी। अन्य राशन सामग्री (शक्कर, नमक, चना, गुड़) का वितरण- नागरिक आपूर्ति निगम में उपलब्ध स्टॉक के आधार पर प्रत्येक माह पृथक-पृथक आबंटन कर वितरण किया जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा पत्र जारी कर चावल उत्सव के आयोजन की तिथि का निर्धारण कर उत्सव के दिन 03 महीने का चावल वितरित किया जाए। तीन माह के चावल एवं अन्य राशन सामग्री के परिवहन के लिए वाहन और सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था की जाए। चावल उत्सव के आयोजन के लिए प्रत्येक उचित मूल्य के लिए नोडल अधिकारी की ड्यूटी लगाई जाए, जिनके द्वारा समय सीमा के भीतर राशन सामग्री का भंडारण और चावल वितरण के बाद सत्यापन की कार्रवाई की जाए। इसके अलावा चावल वितरण की सूचना का उचित मूल्य की दुकानों में पोस्टर-बैनर तथा अन्य माध्यमों से प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं।

अवैध खनिज परिवहन पर प्रशासन की सख्त नजर, 13 वाहनों पर हुई कार्यवाही

सूरजपुर ब्यूरो(विश्व परिवार) कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार आज खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा भैयाथान क्षेत्र के समौली, कुस्मुसी, करौटी एवं बसदेई ग्रामों में अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 13 प्रकरण दर्ज किए गए हैं, जिनमें 7 रेत, 5 मिट्टी (ईंट) तथा 1 गिट्टी से संबंधित प्रकरण शामिल हैं।

अवैध परिवहन में संलिप्त वाहनों को पुलिस थाना झिलमिली एवं पुलिस चौकी बसदेही में सुरक्षा की दृष्टि से रखा गया है। संबंधित वाहन मालिकों के विरुद्ध खनिज नियमों के अंतर्गत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अप्रैल-मई 2025 माह में अब तक कुल 45 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं, जो प्रशासन की सतत निगरानी और कार्रवाई का परिणाम है। इस सम्बन्ध में भविष्य में भी कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

कलेक्टर जयवर्धन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि रेत के अवैध खनन एवं परिवहन को रोकने के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स सक्रिय रूप से कार्य करे। उन्होंने कहा कि खनिज राजस्व की हानि रोकना शासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि स्वीकृत खदानों का संचालन पर्यावरणीय स्वीकृति में निर्धारित मात्रा के अनुरूप विधिसम्मत रूप से किया जाए तथा खनिज राजस्व की समय पर वसूली सुनिश्चित की जाए। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि खनन और परिवहन केवल स्वीकृत खदानों से ही हो तथा अवैध स्त्रोतों से होने वाली आपूर्ति पर कठोर कार्रवाई की जाए।

सड़क में दिखा विशाल बवंडर, वायरल हुआ वीडियो

कोरबा। जिले में हाल ही में एक अत्यंत दुर्लभ और चौंकाने वाला प्राकृतिक दृश्य सामने आया है जिसने न सिर्फ स्थानीय लोगों को दहला दिया बल्कि मौसम विशेषज्ञों को भी हैरान कर दिया। यह नज़ारा उरगा-धरमजयगढ़ नेशनल हाइवे के निर्माणाधीन हिस्से पर देखा गया है जहां अचानक एक विशाल बवंडर उत्पन्न हो गया। इस बवंडर की खासियत यह थी कि इसका आधार ज़मीन पर तेजी से घूम रहा था और इसका ऊपरी सिरा आसमान में बादलों से जा मिला था। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो धरती और आकाश के बीच कोई अदृश्य ऊर्जा का सेतु बन गया हो। दृश्य इतना अद्भुत और फिल्मी था कि वहां मौजूद हर व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए अचंभित रह गया।

उमेश्वरपुर में सुशासन तिहार समाधान शिविर का किया गया आयोजन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) जनपद पंचायत प्रेमनगर के ग्राम पंचायत उमेश्वरपुर में आज सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत एक दिवसीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में कुल 12 ग्राम पंचायतों के नागरिकों ने भाग लिया और कुल 1822 आवेदन प्राप्त हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री मरावी ने कहा कि राज्य सरकार आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु प्रतिबद्ध है, और इस प्रकार के समाधान शिविर ग्रामीण जनों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें।

समाधान शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को लाभ पहुंचाया गया। पंचायत विभाग द्वारा 16 हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति आदेश, 1 हितग्राही को विवाह प्रमाण पत्र, 7 को राशन कार्ड एवं 2 को मनरेगा जॉब कार्ड प्रदान किए गए। कृषि विभाग द्वारा 1 किसान को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से 2 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड एवं 3 को सिकलसेल कार्ड वितरित किए गए। राजस्व विभाग द्वारा 2 हितग्राहियों को बी-1 प्रतिलिपि एवं 5 को ऋण पुस्तिका प्रदान की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 5 महिलाओं का गोदभराई एवं 4 बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया, जिससे कार्यक्रम में उत्सव का माहौल देखने को मिला।

अवैध हुकिंग कर विद्युत चोरी करने वालों का सुरक्षा विभाग ने किया विद्युत विच्छेद

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-दक्षिण पूर्वी कोयला परिक्षेत्र विश्रामपुर की सुरक्षा विभाग न कॉलोनी में विभाग ने अवैध हुकिंग कर बिजली का उपयोग करने वाले झुगी झोपडियां से कंपनी के सुरक्षा विभाग ने स्वयं कंपनी के बिजली विभाग ने विद्युत विच्छेद कर दिया। चिलचिलाती धूप में विभाग के कर्मचारियों ने सुबह 11 बजे से अवैध हुकिंग कर बिजली का उपयोग करने वाले लोगों का बिजली की कटौती की जिससे इस भीषण गर्मी में लोगों की परेशानियां बढ़ी। कंपनी के बिजली विभाग द्वारा भीषण गर्मी में विद्युत कटौती से नगर पंचायत विश्रामपुर की पार्षदों ने विरोध करते हुए कहा कि कंपनी के बिजली विभाग सुरक्षा विभाग अनावश्यक रूप से लोगों को बिजली कटौती कर भीषण गर्मी में परेशान कर रहा है जबकि

जब से साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड बिश्रामपुर में खदानें खुली गई थी तब से कालारी कर्मचारियों के परिवार जन छोटी-मोटी व्यवसाय कर अपना परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं ऐसे में इन्हें विद्युत व्यवस्था से दूर रख बेवजह विवाद पैदा की जा रही है जबकि सच्चाई यह है कि झूंगी झोपड़ी वासियों से ज्यादा कंपनी के अधिकारी कर्मचारी ही अपने आवासीय क्वार्टर के आसपास अतिरिक्त कमरे बना कर विद्युत का उपयोग कर रहे हैं जबकि कंपनी ने उन्हें तीन-चार रूम वाला क्वार्टर उपलब्ध कराया था आज अधिकारी कर्मचारी सभी आवासीय क्वार्टर से ज्यादा अवैध निर्माण कर प्रत्येक कमरे में ए सी का उपयोग कर रहे हैं जिससे कंपनी पर बिजली का जबरदस्त भार पड़ रहा है जिस पर कंपनी का ध्यान न जाना और गरीबों को परेशान करना सम बात हो गई है। नगर पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने कंपनी के संबंधित विभाग को सख्त चेतावनी दी है कि यदि विभाग अपने कर्मचारियों को अवैध बिजली को नहीं कटता है और झुगी झोपड़ी वासियों को काटता है तो सीधा बड़ा आंदोलन हेतु वाद्य कर रहा है!

पुलिस का बड़ा प्रहार, 2 लाख 50 हजार कीमत के 12 किलो गांजा जप्त, 3 व्यक्ति किए गए गिरफ्तार

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) डीआईजी व एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को नशे के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करते एवं क्षेत्र में सक्रिय मुखबीर का जाल फैलाने के निर्देश दिए थे जिसके बाद से ही जिले की पुलिस नशीली पदार्थ के गोरख धंधे पर सतत् निगाह बनाए हुए है और लगातार कार्यवाही करने में लगी हुई है। इसी तारतम्य में दिनांक 20.मई को थाना भटगांव पुलिस को मुखबीर से सूचना मिला कि एक व्यक्ति उ?ीसा की ओर से भारी मात्रा में मादक पदार्थ गांजा लेकर बस से दतिमा पहुंचा है और वहां से अपने 2 साथियों के साथ मोटर सायकल से गांजा खपाने कंरौदामुड़ा की ओर जाने वाला है।

सूचना थाना भटगांव की पुलिस ने ग्राम लक्ष्मीपुर में घेराबंदी कर मोटर सायकल सहित 1. करमवीर पाटले पिता तुलसीदास उम्र 24 वर्ष निवासी कुसमुसी चौकी बसदेई, 2. फैजान रजा पिता मोहम्मद हफीज उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम भवराही चौकी बसदेई 3. आरिफ रजा पिता मोहम्मद जमीर उम्र 26 वर्ष ग्राम कंदौरामु?ा, थाना भैयाथान को पक?ा जिनके कब्जे से 12 किलो 240 ग्राम गांजा बरामद किया गया। जप्त बरामद गांजा की बाजारू कीमत 2 लाख 50 हजार रूपये है। मामले में परिवहन में प्रयुक्त मोटर सायकल एवं गांजा जप्त कर धारा 20(बी), 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ पर अन्य आरोपी की संलिप्तता की बात सामने आई है जिनकी पतासाजी की जा रही है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी भटगांव सरफराज फिरदौसी, प्रधान आरक्षक भुनेश्वर केरकेट्टा, आरक्षक दिनेश ठाकुर, रजनीश पटेल, प्रकाश साहू, वाहिद हुसैन सहित साइबर की टीम सक्रिय रही।

विद्यालयों की परीक्षा परिणाम संतोष जनक न देने वाले शिक्षकों का काटा जाएगा वेतन - भारती वर्मा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी परीक्षा 2025 के परीक्षा परिणाम की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विश्रामपुर में जिले के समस्त शासकीय हाई स्कूल हायर सेकेंडरी विद्यालयों के प्राचार्यो की बैठक आहूत की गई। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती भारती वर्मा व सहायक संचालक श्री रविंद्र सिंह देव एवं जिले के प्राचार्य उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी ने सर्वप्रथम जिले के ऐसे विद्यालय जिनका परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा उन विद्यालयों के प्राचार्य और उनके प्रयास को सारा और उन्हें साधुवाद दिया उन्हें शुभकामनाएं और बधाइयां प्रेषित की। इसी क्रम में जिनके परीक्षा परिणाम संतोषप्रद नहीं रहे उनकी समीक्षात्मक बैठक के बाद कार्यवाही करने हेतु कहा गया।

बैठक में 80 से 90 प्रतिशत के बीच परीक्षा फल वाले विद्यालयों को 90 प्रतिशत से 100 के बीच पहुंचाने हेतु प्रोत्साहित किया गया60-80 वालों को और अच्छा करने के लिए अपना प्रदर्शन और सुधारने हेतु कहा गया सभी प्राचार्य को नोटिस जारी कर अपने मातहत विषय शिक्षकों से जिनके परीक्षा प्रतिशत और सबसे कम आए हैं उन्हें कारण बताओं नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगने हेतु कहा गया था बैठक में सभी प्राचार्य संबंधित शिक्षकों और स्वयं का जवाब लेकर पहुंचे थे जिसमें विभिन्न प्रकार की समस्याओं का उल्लेख किया गया बैठक में सभी प्रकार के समस्याओं से निपटने और अगले सत्र में शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करने हेतु कार्य योजना बनाकर प्राप्त करने हेतु कहा गया

नवीन सत्र 25-26 त्रैमासिक परीक्षा शत प्रतिशत परीक्षा फल प्राप्त करने के उद्देश्य सभी विद्यालय के शिक्षकों को कार्य योजना बनाकर प्राचार्य के माध्यम से 30 जून तक जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष जमा करने हेतु कहा गया।

कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग द्वारा ऐसे विद्यालय जहां 10 या उससे अधिक महिला कर्मचारी कार्यरत हैं वहां पॉक्स एक्ट के तहत लैंगिक अपराध से संबंधित विषयों पर जानकारी दी गई एवं विद्यालय में अध्यनरत छात्राओं को पोक्सो एक्ट के तहत गुड टच एवं बैक टच से संबंधित जानकारी देकर उन्हें जागरूक बनाने हेतु कहा गया।

खराब परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों लापरवाह शिक्षकों की वेतन वृद्धि रोकने संबंधी कार्यवाही प्रस्तावित करने की बात जिला शिक्षा अधिकारी ने कही ।

मानसून पूर्व लाइन मेंटेनेंस हेतु विद्युत प्रवाह रहेगा बंद

गोपाल सिंह विद्रोही सूरजपुर ब्यूरो (विश्व परिवार)- विद्युत लाइन एवं उपकरणों को मानसून पूर्व आवश्यक रख रखाव हेतु 25 मई को 11 के.व्ही. चंदरपुर फीडर के चंदरपुर, संडे हाउस एवं समस्त पारा मोहल्ला तक, 23 मई को 11 के.व्ही. ब ?कापारा फीडर के ब ?कापारा, मेनरोड, चंदरपुर रोड तक, 26 मई 11 के.व्ही. नयनपुर फीडर के नयनपुर औद्योगिक क्षेत्र एवं गिरवरगंज, 27 मई को 11 के.व्ही. पचिरा फीडर के पचिरा, बेलटिकरी, तिलसिंवा, टोल प्लाजा तक, 28 मई को 11 के.व्ही. पर्री फीडर के परी, महंगावा, सरनापरा, लाईवलीहुड कॉलेज, पतरापारा, 29 मई को 11 के.व्ही. नेवरा फीडर के नेवरा, डुमरिया, पसला,

पी ?ा, सरमा, नरेशपुर, उंचडीह, करंजी एवं समस्त ग्राम, 30 मई को 11 के.व्ही. नमदगिरी फीडर के नमदगिरी, रामनगर, सोहागपुर, करंजी एवं समस्त ग्राम, 31 मई को 11 के.व्ही. कलेक्ट्रेट फीडर से संबंधित सभी सरकारी कार्यालय, न्यायालय, तहसील ऑफिस, पुराना कलेक्ट्रेट, पुराना एस.पी. ऑफिस, इत्यादि, 2 जून को 11 के.व्ही. देवीपुर फीडर के पंपापुर, देवीपुर, लांची एवं समस्त ग्राम, 5 जून को 11 के.व्ही.टाउन फीडर के केतका रोड, भैयाथान रोड, कब्रिस्तान पारा, गोपालपुर, महंगावा, 7 जून को 11 के.व्ही. सर्किट हाउस फीडर के मानपुर, सर्किट हाउस, जिला पंचायत, कलेक्ट्रेट कम्पोजिट बिल्डिंग, तिलसिंवा एवं 9 जून को 11 के.व्ही. केतका फीडर के केतका, जोबगा, लांछा एवं समस्त ग्राम में सुबह 9 बजे से सायं 4 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रदायीत सामग्री की गुणवत्ता जांच हेतु पुनः लिखा स्मरण पत्र गठित की स्पेशल जांच टीम

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) बीते दिनो छत्तीसगढ़ के कई जिलों में आंगनबाड़ी केंद्रों में दी जा रही सामग्री की गुणवत्ता को लेकर समाचार पत्र मीडिया के माध्यम से जानकारी मिली थी कि आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित की जा रही सामग्री की गुणवत्ताविहीन हैं, मामला सामने आते ही 7 मई को महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने विभाग के सचिव को इस मामले में तत्काल जांच कर रिपोर्ट पेश करने पत्र लिखा था,उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी त्वरित जांच कर अवगत कराए,

मामले की गंभीरता देखते गठित की गई जांच टीम

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने मामले की गंभीरता समझते हुए जांच के लिए पत्र लिखने के बाद पुन: विभाग को स्मरण पत्र लिखा ,मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के निर्देश पर विभाग के संचालक ने एक बड़ी जांच टीम गठित की जिससे जांच निष्पक्ष हो सके इस जांच टीम में संयुक्त संचालक वित्त महिला एवं बाल विकास ,अध्यक्ष प्रबंध संचालक, सीएसआईडीसी द्वारा नामित प्रतिनिधि सदस्य ,प्राचार्य गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज (त्रश्वष्ट), रायपुर द्वारा नामित तकनीकी विशेषज्ञ संबंधित जिले के जिला कार्यक्रम अधिकारी सदस्य ,सहायक संचालक आईसीडीएस संयोजक, आईआर क्लास सिस्टम एंड सॉल्यूशन प्रा. लि. एवं एसजीएस इंडिया प्रा. लि. से नामित तकनीकी सदस्य की विशेष टीम द्वारा रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, जशपुर और सरगुजा जिलों के आंगनबाड़ी केंद्रों में वितरित सामग्री में लगे आरोप की जांच करेगी आंगनबाड़ी केंद्रों में दी जा रही सामग्रियों की भौतिक जांच यानी जो सामग्री मौके पर दी जा रही है, वो वजन, पैकेजिंग, और उपयोग के लायक है या नहीं इसकी बारीकी से जांच होगी। इसके साथ ही गुणवत्ता जांच के लिए सैंपल लेकर छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त लैब में टेस्ट भी कराए जाएंगे।

15 दिन में मंत्री ने मांगी प्राथमिक रिपोर्ट

मंत्री राजवाड़े ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जांच टीम को 15 दिनों के भीतर जांच कर प्राथमिक रिपोर्ट सौंपनी होगी। रिपोर्ट के आधार पर लगे आरोप की सत्यता सामने आयेगी और अगर दोषी मिले तो दोषियों पर कार्रवाई भी किया जाएगी, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का साफतौर पर कहा कि यह विष्णु देव साय की सुशासन की सरकार है और सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ काम कर रही है और भाजपा की सरकार में किसी भी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी दोषी चाहे जो भी हो प्रमाणित होने पर निश्चित रूप से उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी विष्णु देव साय की सरकार जनता की सेवा के लिए है और सदैव जनता की सेवा के लिए तत्पर रहेगी

भारत से हज यात्रियों का डिजिटल शक्तिकरण

भारत सरकार ने हाल के वर्षों में समावेशी शासन पर अत्यधिक बल दिया है। एक ऐसा शासन, जो भूगोल, पृष्ठभूमि या विश्वास की परवाह किए बिना हर नागरिक तक पहुंचता हो। यह बात वार्षिक हज यात्रा के संचालन में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। एक नियमित प्रशासनिक क्रियाकलाप से दूर, यह एक विशाल मानवीय, कूटनीतिक और तार्किक संचालन है, जो अनेक राष्ट्रों और संस्कृतियों तक फैला हुआ है। सबका साथ, सबका विकास के लोकाचार से प्रेरित होकर सरकार ने हज प्रबंधन को 21वीं सदी की सेवा वितरण के मॉडल के रूप में परिणत कर दिया है।

भारत से हर साल लगभग 1.75 लाख तीर्थयात्री पवित्र हज यात्रा पर जाते हैं। सऊदी अरब साम्राज्य (केएसए) के साथ घनिष्ठ समन्वय में, भारतीय हज समिति के माध्यम से चार महीने तक चलने वाले इतने व्यापक और संवेदनशील ऑपरेशन का प्रबंधन करना राष्ट्रीय समन्वय, कूटनीति और सेवा का एक महत्वपूर्ण नमूना है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के माध्यम से भारत सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि यह आध्यात्मिक यात्रा निर्बाध होने के साथ-साथ गरिमापूर्ण, समावेशी और तकनीकी रूप से सशक्त भी हो। बिना किसी पक्षपात के सभी समुदायों की सेवा करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, सरकार हज के अनुभव को विदेशों में अब तक किए गए सबसे उन्नत सार्वजनिक सेवा संचालन में से एक के रूप में परिणत कर रही है।

हज सुविधा ऐप को भारत सरकार ने 2024 में लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य तीर्थयात्रियों के अनुभव को सरल और बेहतर बनाना था। इसके माध्यम से प्रत्येक तीर्थयात्री से जुड़े राज्य हज निरीक्षकों के विवरण के साथ-साथ निकटतम स्वास्थ्य सेवा और परिवहन सुविधाओं सहित आवास, परिवहन और उड़ान संबंधी विवरण जैसी सूचनाओं तक तत्काल पहुंच कायम करना संभव हो रहा है। यह ऐप शिकायत प्रस्तुत करने, उसकी ट्रैकिंग करने, बैगेज ट्रैकिंग, आपातकालीन एसओएस सुविधाएं, आध्यात्मिक सामग्री और तत्काल सूचनाएं प्राप्त करने में भी सक्षम बनाता है। पिछले साल 67,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने ऐप इंस्टॉल किया था, जो स्वीकृति की उच्च दर का संकेत देता है। केएसए में भारत सरकार द्वारा हाजियों के लिए स्थापित प्रशासनिक ढांचे द्वारा 8000 से अधिक शिकायतें और 2000 से अधिक एसओएस उठाए गए और उनका जवाब दिया गया।

ऐप की फीडबैक-संचालित डिजाइन तीर्थयात्रा की पूरी अवधि के दौरान निरंतर सुधार की सुविधा देती है। हज-2024 के दौरान ऐप से प्राप्त जानकारी ने 2025 के लिए हज नीति और दिशानिर्देश तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में काम किया। ये डेटा-समर्थित निर्णय भारत सरकार के अपने नागरिकों के लिए उत्तरदायी शासन के मॉडल का उदाहरण हैं। 2024 में इस सफलता को आगे बढ़ाते हुए, सरकार ने अब हज सुविधा ऐप 2.0 लॉन्च किया है। यह हज के पूरे दायरे को कवर करता है और तीर्थयात्रियों के लिए वास्तव में एंड-टू-एंड डिजिटल समाधान तैयार करता है।

हज 2.0 में हज यात्रियों के डिजिटल आवेदन, चयन (कुर्रा), प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन, भुगतान एकीकरण, अदाही कूपन जारी करने और रद्दीकरण तथा धन वापसी की प्रक्रियाओं से लेकर हज की पूरी प्रक्रिया शामिल है। अपडेट किया गया ऐप बैंकिंग नेटवर्क के साथ सहज एकीकरण प्रदान करता है, जिससे तीर्थयात्री यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं। यात्रा के दौरान सुविधा के लिए तत्काल उड़ान संबंधी सूची और इलेक्ट्रॉनिक बोर्डिंग पास भी प्रदान किए जाते हैं। ऐप को पेडोमीटर सुविधा के साथ संवर्धित किया गया है। इसका उद्देश्य तीर्थयात्रियों में पैदल चलने की आदत डालना है, ताकि उनमें आगे की कठिन यात्रा के लिए आवश्यक सहनशक्ति विकसित हो सके। तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए तत्काल मौसम के अपडेट भी जोड़े गए हैं, ताकि तीर्थयात्रियों को जलवायु संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में मदद मिल सके और साथ ही उन्हें स्वस्थ और हाइड्रेटेड रखा जा सके।

भारतीय हज चिकित्सा दल को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है और यह मक्का एवं मदीना में हज के दौरान स्थापित क्षेत्रीय अस्पतालों तथा औषधालयों के नेटवर्क के माध्यम से तीर्थयात्रियों को विश्व स्तरीय चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है। एम्बुलेंस का एक नेटवर्क आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान करता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ई-हेल्थ कार्ड और ई-हॉस्पिटल मॉड्यूल को इस वर्ष ऐप के साथ जोड़ दिया गया है। इसका लक्ष्य तीर्थयात्रियों के लिए निर्बाध प्रवेश और उपचार सुनिश्चित करना है। इससे डॉक्टरों को उपचार के लिए उपलब्ध डेटा की गुणवत्ता में भी वृद्धि होगी और हज 2025 के लिए तीर्थयात्रियों को समुचित चिकित्सा सेवा प्रदान की जाएगी।

ऐप की बहुविध सराहनीय लगेज ट्रैकिंग प्रणाली को आरएफआईडी आधारित टैगिंग के साथ और उन्नत किया गया है। यह गुम हुए सामान को ट्रैक करने की प्रक्रिया को सरल बनाएगा और उच्चतम स्तर की सेवा सुनिश्चित करेगा।

मीना, अराफात और मुजदलिफा सहित माशाएर क्षेत्र की डिजिटल मैपिंग द्वारा हज अनुष्ठानों के नेविगेशन को बदल दिया गया है। तीर्थयात्रियों को उनके गंतव्य तक मार्गदर्शन करने और रेगिस्तान की अत्यधिक गर्मी में खो जाने के जोखिम को कम करने के लिए शिविर स्थलों की पहचान की जाती है और मानचित्र पर ट्रैक किया जाता है।

नमाज अलार्म, किबला कम्पास और अस्पतालों, बस स्टॉप, सेवा केंद्रों और भारतीय मिशन कार्यालयों की स्थान-आधारित मैपिंग जैसी सुविधाएं तीर्थयात्रियों के समग्र अनुभव और सुविधा को काफी समृद्ध करती हैं।

एआई द्वारा संचालित एक चैटबॉट को डिजिटल पर्सनल असिस्टेंट के रूप में शामिल किया गया है। यह चैटबॉट संवादात्मक लहजे में नियमित प्रश्नों का उत्तर देने, तत्काल सहायता और सलाह प्रदान करने के लिए है। सुविधाओं का यह समग्र सेट सरकार की मंशा का संकेत है कि वह न केवल सेवा वितरण के साधन के रूप में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना चाहती है, बल्कि एक ऐसे उपकरण के रूप में भी है जो आध्यात्मिक पथ पर चलने वालों सहित सभी के लिए सम्मान, सुविधा और सक्षमता को सशक्त बनाता है।

हज सुविधा ऐप 2.0 भारत के डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर में अग्रणी है और यह भारत सरकार के इस दृष्टिकोण का प्रमाण है कि शासन प्रत्येक नागरिक तक सार्थक तरीके से पहुंचे। प्रौद्योगिकी की शक्ति का इस्तेमाल करते हुए, भारत तीर्थयात्रियों के प्रबंधन के लिए नए अंतरराष्ट्रीय मानक स्थापित कर रहा है, जिससे अपने नागरिकों को निर्बाध, सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से बेहतर अनुभव मिल रहा है।

लेखक संयुक्त सचिव, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार हैं

(लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी हैं)

चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष

युगप्रवर्तक का यशस्वी आचार्य पद शताब्दी वर्ष

भारत की तपोभूमि ने अनगिनत ऋषियों, मुनियों और आचार्यों को जन्म दिया है, जिन्होंने आत्मकल्याण के साथ-साथ लोककल्याण के पथ को आलोकित किया। ऐसे ही युगपुरुष थे चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज, जिनका जीवन त्याग, तपस्या, संयम और चारित्र की चरम पराकाष्ठा का प्रतीक रहा। वर्तमान वर्ष (2025-26) उनके आचार्य पदारोहण का शताब्दी वर्ष है — एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्त्व का क्षण, जो हमें उनके जीवन, दर्शन और योगदान को पुनः स्मरण कर श्रद्धानत होने का अवसर देता है।

आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का जन्म 1872 ई. में कर्नाटक के यलगुड ग्राम में हुआ था।बचपन से ही उनका जीवन अध्यात्म और वैराग्य की ओर उन्मुख था। 1918 में उन्होंने मुनि दीक्षा लेकर दिगंबर साधु परंपरा में प्रवेश किया और कठोर संयम, निर्भय वाणी और गहन साधना के माध्यम से शीघ्र ही साधु समाज में विशिष्ट स्थान प्राप्त किया। 1925 ई. में उन्हें %आचार्य% पद पर प्रतिष्ठित किया गया, जो दिगंबर साधु परंपरा के पुनरुद्धार का ऐतिहासिक क्षण था।

आचार्य पदारोहण= परंपरा का पुनर्जीवन

बीसवीं सदी के प्रारंभिक काल में जब दिगंबर साधु परंपरा भारत में क्षीण हो रही थी, उस समय आचार्य श्री ने अपने तेजस्वी आचरण, निर्भीक प्रवचन और अपार तपस्या से न केवल परंपरा को पुनर्जीवित किया, बल्कि इसे जन-जन तक पहुँचाया। आचार्य पदारोहण की इस घटना ने दिगंबर परंपरा को पुनः जीवंत किया। %चारित्र चक्रवर्ती% के नाम से प्रसिद्ध हुए आचार्यश्री ने दिगम्बर जैन परंपरा को पुनर्जीवित कर ऐतिहासिक कार्य किया।

झुकते हैं सिर श्रद्धा सहित, उस नंगे पाँव तपस्वी को,

जिसने भारत की धरा पर, फिर से संयम रेखा खींची।

चारित्र चक्रवर्ती वह था, जिसका कोई तुल्य नहीं,

जिनशासन के उजियारे में, वह अमर दीप-सा दीप्त दिखे।

चारित्र की पराकाष्ठा =

उनका चारित्र इतना सुदृढ़ और तेजस्वी था कि वे चलते-फिरते तपोवन कहलाते थे। उन्होंने कई कठोर उपवास किए, कभी अनुकूलता की अपेक्षा नहीं की और जीवन भर मात्र आत्मकल्याण के पथ पर अडिग रहे। आचार्य श्री शांतिसागर जी ने एक परंपरा की पुनर्स्थापना की जो आज भारतभर में सक्रिय है और विश्वभर में जैन अनुयायियों को मार्गदर्शन देती है।

शताब्दी वर्ष का महत्व =

2025-26 में आचार्यश्री के आचार्य पदारोहण की 100वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है, जो केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण, चारित्र साधना और परंपरा के प्रति आस्था को पुनर्स्थापित करने का अवसर है। परंपरा के पंचम पट्टाचार्य वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्द्धमानसागर जी महाराज की मंगल प्रेरणा से देशभर में जैन समाज विविध आयोजन कर रहा है। यह वर्ष हमें उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाने और उन्हें अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का संकल्प प्रदान करता है।

आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज का आचार्य पदारोहण केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक क्रांति का प्रारंभ था। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है—कि कैसे कठोरतम आचार संहिता में रहते हुए भी लोककल्याण और आत्मकल्याण संभव है। इस शताब्दी वर्ष में हमें उनके सिद्धांतों को स्मरण कर उन्हें आत्मसात करना चाहिए, जिससे हमारा जीवन भी संयम, साधना और शांति की ओर अग्रसर हो।

आज जो भी संयम-पथिक हैं, उनका आधार वही पुरुष।

शांतिसागर, नाम नहीं बस, वह युगपुरुष महान है।।

-डॉ. सुनील जैन
संचय, ललितपुर
9793821108

राजा राममोहन राय जन्म जयन्ती- 22 मई, 2025

तमस से ज्योति की ओर एक सुधारवादी यात्रा

यह वह समय था जब हिन्दुस्तान एक तरफ विदेशी दासता की बे?ियों में जक?ा हुआ था वहीं दूसरी तरफ रू?िवाद, धार्मिक संकीर्णता, सामाजिक कुरीतियों और दमघोंटू प्रथाओं के बोझ तले दबा हुआ था। तभी एक मसीहा, समाज-सुधारक एवं क्रांतिकारी महामानव अवतरित हुआ जिसने तमाम बुराइयों को चुनौती दी और आखिरी सांस तक बदलाव के लिये क्रांतिकारी योद्धा की तरह ल?ा। ये मसीहा था राजा राममोहन राय। इन्हें देश एवं दुनिया आज भारत में सामाजिक सुधारों के अग्रदूत के तौर पर याद करती है। अपने दौर में वे 'भारतीय पुनर्जागरण के पितामह' बनकर सच्चे जीवन की लौ बनें और इस लौ का आह्वान था नये भारत का निर्माण। वे तमस से ज्योति की ओर एक बहुआयामी सुधारवादी यात्रा का उजाला थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी राय के द्वारा स्थापित 'ब्रह्म समाज', जो आधुनिक पश्चिमी विचारों से प्रभावित था, सबसे शुरुआती सुधार आंदोलन था। एक सुधारवादी विचारक के रूप में राय आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवीय गरिमा तथा सामाजिक समानता के सिद्धांतों में विश्वास करते थे। राय के प्रयासों से ही भारत में आधुनिक धार्मिक और सामाजिक सुधार आंदोलनों की नींव प?ी। राय के बाद, देवेंद्रनाथ ठाकुर और केशव चंद्र सेन जैसे सुधारकों ने ब्रह्म समाज के विचारों को आगे ब?ाया और इसे एक राष्ट्रीय आंदोलन बनाया। उन्नीसवीं सदी के भाल पर अपने कर्तृत्व की जो अमिट रेखाएं उन्होंने खींची, वे इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। वे साहित्यस्रष्टा के साथ-साथ धर्मक्रांति एवं समाजक्रांति के सूत्रधार विराट व्यक्तित्व थे।

राजा राम मोहन राय का जन्म पश्चिम बंगाल स्थित हुगली जिले के राधानगर गांव में 22 मई 1772 को हुआ। पिता रमाकांत राय शुद्ध वैष्णव परंपरा को मानने वाले थे, वहीं माता तारिणी देवी धार्मिक विचारों की महिला थीं। पूरा परिवार कट्टर हिन्दु परंपराओं का हिमायती था लेकिन राममोहन राय को बिना तर्क किसी भी बात को स्वीकार नहीं करते थे, इसलिए जब केवल 15 साल के थे तो उन्होंने मूर्ति पूजा को लेकर सवाल ख? कर दिये। साथ ही अन्य प्रथाओं की भी आलोचना करनी आरंभ कर दी। हिन्दू परंपराओं का विरोध करना शुद्ध वैष्णव परंपरा को मानने वाले पिता रमाकांत को नागवार गुजरी। पिता-पुत्र में गहरा मतभेद हो गया। राय को प?ने के लिए पटना भेज दिया गया। यहां उन्होंने बांग्ला, पारसी, अरबी, संस्कृत, हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लिया। यहां भी वो हिन्दू परंपराओं और प्रथाओं को तर्क की कसौटी पर परखते रहे और सवाल उठाते रहे। प?ाई पूरी करने के बाद राय ने ईस्ट इंडिया कंपनी के राजस्व विभाग में नौकरी कर ली, यहां वे कई अंग्रेजों के संपर्क में आये। उनकी सभ्यता, सोच और तौर-तरीकों को करीब से महसूस किया। उन्होंने समझ लिया कि पश्चिमी सभ्यता विकास की प्रक्रिया में काफी आगे निकल गयी है जबकि हिन्दुस्तान इसके मुकाबले सदियों पीछे जी रहा है।

राय ने हिन्दू ग्रंथों के साथ इस्लाम एवं ईसाई धर्मों एवं ग्रंथों का भी गहराई से अध्ययन किया। उन्हें एक बात समझ आयी कि हिन्दू धर्म ग्रंथों में वो कतई नहीं लिखा है जो पोंगा पंडित, लोगों को बता रहे हैं। उन्होंने महसूस किया कि भारतीय जनमानस

अपने ग्रंथों की मूलभावना से काफी अनजान है। ऐसा इसलिए था क्योंकि धर्मग्रंथ संस्कृत भाषा में लिखे गये थे और लोगों की पहुंच से दूर थे। इसलिए उन्होंने धर्मग्रंथों का हिन्दी, बांग्ला, अरबी और फारसी भाषाओं में अनुवाद किया। उन्होंने अपने अखबारों 'संवाद कौमुदी' और 'मिरात-उल-अखबार' में लेखों के जरिये आम जनमानस को जागरूक करने का प्रयास किया। राजा राममोहन राय को आधुनिक भारत का जनक माना जाता है। वे एक महान समाज सुधारक, विचारक एवं क्रांतिपुरुष थे, जिन्होंने 19वीं सदी में भारत में सामाजिक, धार्मिक और शैक्षिक सुधारों के लिए अनूठे एवं विलक्षण उपक्रम किये। उन्होंने व्यक्ति-क्रांति के साथ समाज-क्रांति करते हुए सती प्रथा, बाल विवाह और जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने अंग्रेजी शिक्षा को ब?ावा दिया और महिलाओं के अधिकारों के लिए भी संघर्ष किया।

राय का मानना था कि धार्मिक रू?िवादिताएं समाज की स्थिति को सुधारने के बजाय क्षति का कारण, परेशानी का स्रोत, सामाजिक जीवन के लिए हानिकारक और लोगों को भ्रमित करने वाली बन गई हैं। उनका यह भी मानना था कि बलिदान और अनुष्ठान लोगों के पापों की भरपाई नहीं कर सकते; यह आत्म-शुद्धि और पश्चाताप के माध्यम से किया जा सकता है। उन्होंने धार्मिक सुधार से सामाजिक सुधार और राजनीतिक आधुनिकीकरण दोनों का सूत्रपात किया। राय अपने समय से बहुत आगे चलने एवं सोचने वाले दूरदर्शी व्यक्तित्व थे। स्वतंत्रता, समानता और न्याय के सिद्धांतों के अंतर्राष्ट्रीय चरित्र के बारे में उनकी समझ ने आधुनिक युग के महत्त्व को बखूबी समझा। ये सिद्धांत वर्तमान 'न्यू इंडिया' के विचार को प्रेरित करते हैं। राय ने वर्ष 1803 में अपनी पहली पुस्तक 'तुह?त-उल-मुवाहिदीन' या 'गिफ्ट टू मोनोथिस्ट' प्रकाशित की, जिसमें उन्होंने एकेश्वरवाद यानी एकल ईश्वर की अवधारणा के पक्ष में तर्क दिया है। उन्होंने अपने इस तर्क में प्राचीन हिंदू ग्रंथों के एकेश्वरवाद का समर्थन करने के लिये वेदों और पाँच उपनिषदों का बंगाली में अनुवाद किया।

वर्ष 1814 में उन्होंने मूर्तिपूजा, जातिगत रू?िवादिता, निरर्थक अनुष्ठानों और अन्य सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान चलाने के लिये कलकत्ता में आत्मीय सभा की स्थापना की। जब उनके ब? भाई का देहांत हो गया तो परंपरा के मुताबिक गांव वालों ने पंडितों के साथ मिलकर उनकी भाभी को सती हो जाने के लिए मजबूर किया। उन्हें मृतक के साथ उसी चिता में जिंदा जला दिया गया। इस घटना से राय बहुत दुखी हुए। उन्होंने पूरे हिन्दुस्तान में ऐसी क्रूर प्रथा को धर्म के नाम पर खुलेआम होते देखा। उन्होंने वर्ष 1818 में सती-विरोधी संघर्ष शुरू किया और पवित्र ग्रंथों का हवाला देते हुए यह साबित करने का प्रयास किया कि सभी धर्म मानवता, तर्क और करुणा की बात करते है; कोई भी धर्म विधवाओं को जिंदा जलाने का समर्थन नहीं करता है। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 1829 में सरकारी विनियमन द्वारा सती प्रथा को अपराध घोषित कर दिया गया। राय सती प्रथा के अमानवीय व्यवहार के खिलाफ एक धार्मिक योद्धा थे। इससे पहले जब उनके पिता का देहांत हुआ था तब उन्होंने देखा था कि समाज विधवाओं के साथ कैसा व्यवहार करता है। विधवाओं का सिर मुंडवा दिया जाता था। उन्हें रंगहीन सफेद कप?ा पहनना प?ता था। उन्हें बेस्वाद खाना खाने के लिए मजबूर किया जाता था। उन्हें परिवार या समाज के सार्वजनिक आयोजनों से दूर रखा जाता था। इन दोनों बातों ने राममोहन राय को अंदर तक व्यथित किया।

राय ने ठान लिया कि वे भारतीय समाज के इन बुराइयों को दूर कर के रहेंगे। इसलिए उन्होंने सती प्रथा उन्मूलन और विधवा पुनर्विवाह कानून बनाने की मुहिम छे? दी। इसमें उन्हें तात्कालीन गर्वनर जनरल लार्ड विलियम बैंटिक से खूब सहायता मिली। उन्होंने जाति व्यवस्था, छुआ-छूत, अंधविश्वास और मादक द्रव्यों के इस्तेमाल के खिलाफ भी अभियान चलाया। उनके विचारों और गतिविधियों का उद्देश्य सामाजिक सुधार के माध्यम से जनता का राजनीतिक उत्थान करना था। राजा राम मोहन राय ने महसूस किया कि भारतीय युवाओं को आधुनिक शिक्षा पाने के लिए विदेशों में शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। उन्होंने इंग्लैंड भेजे जाने वाले भारतीय छात्रों का समर्थन किया और यह कहा कि पश्चिमी शिक्षा ही भारतीय समाज को आधुनिकता और प्रगति की ओर ले जा सकती है। तत्कालीन मुगल बादशाह ने उन्हें आर्थिक सहायता संबंधी किसी काम के लिए ब्रिटेन भेजा। इसी मुगल बादशाह ने उनको राजा की उपाधि भी दी।

राजा राम मोहन राय का आधुनिक शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण और उनके प्रयास भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक क्रांति लेकर आया। उनके द्वारा किए गए सुधारों ने भारतीय समाज को अंग्रेजी और आधुनिक विज्ञान की शिक्षा से जो?ा और भारत में शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत की। राजा राममोहन राय ने भारतीय समाज में आधुनिकता, तर्कशीलता और समानता की नींव रखी। उनके कार्यों ने भारतीय समाज को प्राचीन रू?ियों से बाहर निकालकर आधुनिक युग की ओर अग्रसर किया। वे न केवल धार्मिक सुधारक थे, बल्कि सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक सुधारों के भी पथप्रदर्शक थे। उनके जीवन का हर पहलू समाज सुधार, धार्मिक सहिष्णुता और समानता के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

प्रेषक: (ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली

काशी, अयोध्या की तर्ज होगा बृंदावन के बांके बिहारी मंदिर का विकास, मंदिर ट्रस्ट के धन का होगा इस्तेमाल, सर्वोच्च न्यायालय का फैसला

आगामी कुछ दिनों बाद श्रद्धालुओं को बृंदावन में बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के लिए संघर्ष नहीं करना होगा। उत्तर प्रदेश सरकार की एक याचिका पर सुनवाई कर मंदिर की आसपास की पांच एकड़ भूमि को अधिग्रहण करने की स्वीकृति दी है और साथ में 500 करोड़ रुपए मंदिर ट्रस्ट से खर्च करने की घोषणा को भी सही ठहराया है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अलाहाबाद हाइकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ अपील की थी जिसमें कहा गया था कि पांच एकड़ भूमि के विकास के लिए मंदिर बृंदावन ट्रस्ट के धन का उपयोग नहीं किया जाए। जनसंख्या दबाव के कारण भारत के प्रमुख मंदिर अव्यवस्था से जूझ रहे हैं जिनमें बृंदावन का सुप्रसिद्ध श्री बांके बिहारी मंदिर भी हैं। बताया जाता है कि भगवान श्री कृष्ण की इस प्रतिष्ठित मूर्ति की प्राचीन काल में संत हरिदास महाराज ने स्थापित किया था।

कहते हैं कि ये 1600 ईसवी के आसपास की बात है। तत्कालीन समय में एक मंदिर भी बनाया गया था जो यमुना नदी के किनारे था तब यहां सघन बन हुआ करता था और उसमें बृंदा के पेड़ थे तो बृंदावन प्रचलित हो गया। संत हरिदास महाराज भगवान श्री कृष्ण के अनन्य भक्त थे और वह बन में पशु पक्षी, शेर भालू, चीते,हिरन, के साथ रहते थे और नित्य भोर यमुना नदी में स्नान करने के बाद श्री कृष्ण की सेवा में जुट जाते थे। तत्कालीन समय में मथुरा में कुछ बस्ती थी।एक भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि थी जो लगभग महाभारत काल की ही थी। लेकिन समय के साथ बृंदावन में परिवर्तन हुआ। ब्रिटिश काल में 1884 में मंदिर का नए सिरे से निर्माण हुआ।1970 तक यहां मंदिरों की स्थली ही थी जैसे पागल बाबा का मंदिर, द्वारिका धीश मंदिर आदि।

वर्तमान समय में बृंदावन एक तीर्थ स्थलों में से एक है।यहां पूरे भारत से श्रद्धालुओं का आना जाना होता है।एक पर्यटक स्थल बन गया है बल्कि एक सर्किट बन गया है जिसमें गोकुल, दाऊजी, मथुरा, गोवर्धन, बरसाना शामिल है लगभग सौ किलोमीटर की दूरी तक पहुंच गई है।एक अनुमान के मुताबिक मथुरा पूरे देश से पांच करोड़ लोगों प्रतिवर्ष दर्शन करने आते हैं।इस लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के निरीक्षण प्रतिवेदन के आधार पर मथुरा और आसपास के क्षेत्रों को नवीनतम प्रारूप में स्थापित करने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने केएनबीजी,(कोसी, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन) सड़क परिवहन निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है, मथुरा से डींग बाया गोवर्धन,तथा गोवर्धन सोख, गोकुल, सड़क परियोजना भी 1000 करोड़ की स्वीकृत की है। दिल्ली, आगरा, भरतपुर, से शनिवार को 5000 वाहन आते हैं और अब बृंदावन की पुलिस अधिकारियों के चुनौती बन गई है ट्रैफिक व्यवस्था। बांके बिहारी मंदिर के पास कुंज गालियां , उनमें बस्तियां हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की समिति की सिफारिश पर यह फैसला लिया है कि मंदिर बृंदावन ट्रस्ट के चारों ओर हरित क्षेत्र बनाया जाए और पूरी बस्ती का पुनर्वास कर अन्यत्र शिफ्ट किया जाए।

- अजय दीक्षित
(धर्मक्षेत्र)

22 और 23 मई 2025 को दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा, जिन बिम्वस्थापना तथा कलशारोहण विश्व शांति महायज्ञ

श्री सम्मैदशिखरजी (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव विद्यासागरजी महामुनिराज एवं आचार्य श्री समयसागर महाराज के आशीर्वाद से गुणायतन प्रणेता मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज की प्रेरणा से श्री दिगंबर जैन सम्मेदाचल विकास कमेटी मधुवन श्री सम्मेदशिखर जी में दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा, जिनविम्वस्थापना,

तथा कलशारोहण महामहोत्सव दिनांक 22 मई गुरुवार एवं 23 मई शुक्रवार को निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज मुनि श्री पवित्र सागर महाराज, मुनि श्री पूज्य सागर महाराज मुनि श्री अतुल सागर महाराज आर्यिकारत्न गुरमति माताजी, आर्यिकारत्न दृणमति माताजी स संघ तथा ऐलक श्री निश्चयसागर महाराज ऐलक श्री निजानंद सागर महाराज क्षु. श्री संयम सागर महाराज के संघ सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य वाल ब्र.अशोक भैया एवं इंदौर आश्रम के अधिष्ठाता अनिल भैया के निर्देशन में किया जा रहा है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं गुणायतन के मुख्य जन संपर्क अधिकारी वीरेंद्र जैन छावड़ा ने बताया 22 मई को प्रात: 5-45 बजे से अभिषेक एवं शांतिधारा गुणायतन स्थित जिनालय में होकर शोभायात्रा श्री पावनधाम जिनालय श्री सम्मेदाचल विकास कमेटी के कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेगी एवं यंहा पर 7 बजे ध्वजारोहण, जाप्य अनुष्ठान, मंडपशुद्धी, नवीन वेदी शुद्धि, सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, अभिषेक शांतिधारा एवं पूजन होगी तथा मुनिसंघ आर्यिका संघ के मांगलिक देशना संपन्न होगी। इस शुभ मांगलिक अवसर पर गुणायतन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद काला, कार्याध्यक्ष एन, सी. जैन, महामंत्री अशोक पांडया सी. ई ओ सुभाष जैन, एन एल जैन, प्रद्युमन जैन, शैलेंद्र जैन, सिद्दार्थ जैन, कपूर जैन, निर्मल जैन सहित समस्त पदाधिकारियों ने समस्त श्रैष्ठी महानुभावों को आमंत्रित कर कार्यक्रम में पधारने का अनुरोध किया है। समस्त अतिथियों के आवास एवं भोजन व्यवस्था गुणायतन में की गई है।

प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया प्रात: गुणायतन मंदिर परिसर में निर्यापक मुनि श्री समतासागर महाराज स संघ सानिध्य में संत शिरोमणि आचार्य गुरुदेव श्री विद्यासागरजी महामुनिराज की अष्टदृव्य से पूजन की गयी तथा मुनि श्री के मुखारविंद से शांतिधारा एवं मांगलिक प्रवचन संपन्न हुये इस अवसर पर मुनि श्री ने कहा कि जैसे शिशु को पोषक तत्व दैना जरूरी होता है तभी शिशु की काया बलिष्ठ और स्वस्थ होती है ऐसे ही किसान अपने खेत में बींज को बोकर के उसमें खादपानी देता है तब फिर अंकुरण के पश्चात जो फसल आती है वह पुष्ट होकर आती है फसल आने के पहले अपने लहलहाते खेत को देखकर किसान को जो आनंद का सु:खद अहसास होता है वह किसान ही समझ सकता है, क्योंकि उसका परिश्रम पनप रहा है और जब उसकी फसल खेत से घर पर आ जाती है तो उसके चहरे की चमक बड़ जाती है। मुनि श्री ने कहा कि उपरोक्त संदर्भ में आचार्य गुरुदेव किसान कि इस सफलता को फिसलने पर फसल शव्द से सम्वोधित करते है, आचार्य गुरूदेव शब्दों के जादूगर थे, शब्दों का आपरेशन कर उसे जोड़ तोड़ करके एक नया अर्थ निकाल देते थे ऐसे शब्दों के प्रयोग से ही आचार्य श्री की साहित्य श्रंखला निकली है उसमें प्रमुख हिंदी भाषा में मूकमाटी महाकाव्य संग्रह है जिसमें ऐसे शब्दों का तथा हायकू का समीकरण किया गया है जो किसी चमत्कार से कम नहीं है आचार्य श्री शब्दों के पारखी एवं सारगर्भित प्रयोग करते थे।

आचार्य श्री ऐसे कई काव्यसंग्रह को लिखा जब पहली किताब श्रमण सतकम् सन 1975-76 कोलकाता के कल्याणमल झांझरी ने प्रकाशित कराई जो आज दस प्रतिमाओं के साथ अपनी साधना को कर रहे है।मुनि श्री ने 42 वर्ष पूर्व की स्मृतियों को संजोते हुये उस समय के समाज प्रमुखों का नाम लिया और कहा कि ये लोग राजस्थान से लेकर बुन्देलखण्ड तक पीछे लगे रहे मुनि श्री ने कहा कि दान धर्म करना तीर्थयात्रा कराना आसान है लेकिन खुद संयम का पालन कर परिवार को संयमित करना बहूत कठिन होता है उन्होंने कोलकाता के श्रावकों की बहूत तारीफ करते हुये कहा कि इनका पूरा गुरुप इधर उधर की बातें न करते हुये अपने पूरे समय का सदुपयोग करते थे। मुनि श्री ने अपनी यादों को ताजा करते 42 साल पूर्व की उन यादों को साझा किया एवं ऐलक दीक्षा से लेकर मुनि दीक्षा तक के कयी पलों को स्मरण कर उन सभी के परिवारों का नाम सहित उल्लेख कर आशीर्वाद प्रदान किया। -**अविनाश जैन**

जैसा भोजन होगा वैसा ही भजन होगा, यदि भोजन शुद्ध नहीं है, तो भजन शुद्ध नहीं होगा : आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

औरंगाबाद (विश्व परिवार)। अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज की उत्तराखण्ड के बद्रिनाथ से हरिद्वार तरुणसागरम अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रही है आज तरुण सागरम तीर्थ अहिंसा संस्कार पद यात्रा हरिद्वार दिगम्बर जैन समाज कों प्रवचन के मध्याम से गुरुदेव अंतर्मना ने प्रदान किये कई नियम अंतर्मना गुरुदेव ने कहा कि एक बार मरू बार बार मत मरू पर आज के दौर में व्यक्ति रोज मर रहा है उभय मासोपवासी साधना महोदधि प.पू. अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज उपाध्याय श्री 108 पियूष सागर जी महाराज श्री दिगंबर जैन पंचायती 102 हरिद्वार मार्ग, ऋषिकेश, देहरादून उत्तराखंड प्रात: पूजन दीप आराधना संपन्न हुई।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर ऋषिकेश साधना के शिरोमणि अंतर्मना गुरुदेव के मुखरविन्द से संपन्न हुई अभिषेक शांतिधारा अंतर्मना गुरुदेव ससंघ का देवो कि नगरी हरिद्वार कि सीमा में हुआ मंगल प्रवेश 14 वें दिवस में बद्रीनाथ से लगभग 320 किलोमीटर की दुरी की तय कर निरंतर चल रहा है मंगलमय पदविहार उत्तराखंड। अंतर्मना गुरुभक्त परिवार के द्वारा अष्टद्रव के सहित रूप से संपन्न हुई गुरुपूजन श्री जयराम आश्रम 04 श्री गंगा स्वरुप आश्रम भूपत बाला हरिद्वार उत्तराखंड। भागीरथी नदी के किनारे संपन्न संध्या गुरुभाक्ति प्रवचन मंगल आरती 20/05/2025 श्री दिगम्बर जैन मंदिर हरिद्वार उत्तराखंड में आहारचर्या संपन्न हुई उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि स्वाद और विवाद दोनों छोड़ देना चाहिए, स्वाद को छोड़ो तो शरीर को फायदा और विवाद को छोड़ो तो सम्बन्धों को फायदा। भोजन का जीवन से गहरा सम्बन्ध है, जैसा भोजन होगा वैसा ही भजन होगा, यदि भोजन शुद्ध नहीं है, तो भजन शुद्ध नहीं होगा। जिसका खानपान शुद्ध नहीं है, उसका खानदान शुद्ध नहीं है। जिसकी रोटी शुद्ध नहीं है, उसकी बेटी शुद्ध नहीं है जिसका आहार शुद्ध नहीं है, उसका व्यवहार शुद्ध नहीं है। भोजन यह सोचकर करो, कि मैं नहीं खा रहा हूँ, अपितु मेरे भीतर जो परमात्मा मौजूद है राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, उसे मैं अर्घ चढ़ा रहा हूँ। जब तुम भोजन यह सोचकर करोगे, तो फिर कभी तुम माँस नहीं खा सकोगे, शराब नहीं पी सकोगे, जर्दा-तंबाकू नहीं खा सकोगे-क्या भगवान की पवित्र मूर्ति पर कभी तुम अपवित्र चीजों को भोग लगा सकते हो-? नहीं। क्योंकि ऐसा करना पाप है, ठीक इसी प्रकार भोजन से पूर्व यह सोच लो--कि मैं अपने भीतर विराजमान आत्मदेव को अर्घ चढा रहा हूँ। उनको भोग लगा रहा हूँ, तो फिर मैं समझता हू कि गलत पदार्थ व्यक्ति कभी नहीं खा सकता है। फिर शराब का सेवन नहीं कर सकता है, फिर बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू, गुटका, नहीं खा सकता है। -**नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल**

संक्षिप्त समाचार

पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार को अ.भा. जैन पत्र संपादक संघ का कोटा संभाग का समन्वयक (संयोजक) बनाया

कोटा (विश्व परिवार)। जैन युवा पत्रकार गौरव सर्व श्रेष्ठ संवाददाता अवार्ड विजेता जैन समाज की अनमोल मणि जैन धर्म

प्रचारक राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा वर्तमान के श्रवण कुमार की उपाधि से अलंकृत अपनी सुरीली आवाज में भावपूर्ण शानदार भजनों की प्रस्तुति देने वाले विगत 35 वर्षों से पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार कोटा को अ. भा. जैन पत्र संपादक संघ का कोटा संभाग का संयोजक मनोनीत किया गया है। कोटा बूंदी बारां झालावाड़ इनका कार्य क्षेत्र रहेगा। इससे कोटा शहर में ही नहीं अपितु संपूर्ण राजस्थान की जैन समाज में हर्ष कि लहर व्याप्त हो गई है। पंकज जैन जयपुर ने बताया कि पार्श्वमणि ने संपूर्ण भारत की शिक्षण संस्थाओं में मेरी भावना को लागू किया जाए विषय को उठाया हुआ है मध्य प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूल के 7 वी क्लास के हिन्दी विषय में प्रथम एक नंबर इसको रखा है। अभी भी ये महिम चल रही है। पंकज जैन जयपुर ने जानकारी देते हुवे कि बताया देव शास्त्र गुरु के परम भक्त स्वर्गीय विमल चंद जैन स्वर्गीय श्रीमति शांति देवी जैन के सुयोग्य सुपुत्र पारस जैन पार्श्वमणि पत्रकार को संपूर्ण भारत वर्ष के जैन साधु संतो का मंगल आशीर्वाद मिला हुआ है आपने जीवन में प्रथम बार विद्या सागर जी महाराज के दर्शन कर उनको उसी दिन आहार देने का परम सौभाग्य भी मिला हुआ है। पूरे संघ में इनके भाव भरे भजनों को सुन भाग्यो उदय तीर्थ सागर में मंगल आशीर्वाद प्रदान किया था। न्यास अध्यक्ष मिलाप चंद डडिया अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र जैन एडवोकेट महामंत्री डॉ अखिल बंसल ने पारस जैन पार्श्वमणि जी को उज्जवल भविष्य की मंगलमय कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रदान की।

प्राकृत विद्या शिक्षण शिविरों का हुआ समापन समारोह

टीकमगढ़ (विश्व परिवार)। टीकमगढ़ 11मई से 18 मई तक संचालित शिविरों का विधिवत समापन समारोह आयोजित हुआ। प्राकृत भाषा की लोकप्रियता को समझते हुए पुन: श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर अहिंसा स्थली टीकमगढ़ में शिविर 19 मई से आयोजित हैं। भारत भाषाओं का समृद्ध देश है। जहां भाषाओं की विविधता शब्दों के मधुर अर्थ और ध्वनियों को देने वाली है। जिस प्रकार से प्रत्येक कार्य का मुख्य होता है वैसे ही प्रत्येक ध्वनि का मुख होता है। प्रत्येक जीवन का मुख होता है। प्रत्येक मार्ग का प्रवेश द्वार होता है वैसे ही भाषाओं का कोई ना कोई मुख्य द्वार जरूर होना चाहिए। मुख्य द्वार वही है जो सहज हो जो स्वयमेव निसृत हो। जिसके लिए सीखना ना पड़े। स्वयं में भी सीख कर बोलना समझना प्रारंभ कर दे। इन्हीं ध्वनियों की सहज रूप से बोलियां निकली है। इन्हीं बोलियां में प्राकृत नाम की एक क्षेत्रीय बोली है, जो अपने विस्तृत रूप में है। प्राकृत में बोली से आगे बढ़कर भाषा का रूप लिया है। प्राकृत ने बड़ी सहजता रखी। विभिन्न प्रांतो और क्षेत्रों की ध्वनियों को सम्मिलित करते हुए शौरसेनी अर्ध मागधी मागधी पैशाची आदि में विस्तार किया। इन सभी में साहित्य की खूब रचना हुई। यही कारण है कि प्राकृत भाषा भारत की नसों में बह रही है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतवर्ष के विभिन्न अंचलों में प्राकृत भाषा के शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। प्राकृत भाषा के उत्थान संवर्धन और संरक्षण के लिए इन शिविरों की उपयोगिता शिवरार्थियों ने अपने अनुभव में बहुत ही अच्छे ढंग से प्रस्तुत की और भाषा को सीखने में अपनी रुचि को भी सभी के सामने व्यक्त किया। ऐसे शिवरों का आयोजन निरंतर होते रहना चाहिए इस बात की भी उन्होंने पुष्टि की। राष्ट्रीय संयोजक डॉ आशीष आचार्य शाहगढ़ ने शिविरों की रुपरेखा के साथ डॉ सोनल जी शास्त्री अरुण जी ममता जी शैलेश जी आदि के साथ शिविरों में महत्वपूर्ण भूमिका ब्रह्मचारी संजय सुखदा राजेश भुट्टों दिनेश अल्ली संतोष अहिंसा मोना जैन किरण जैन अंचल जैन डॉक्टर नरेंद्र जैन डां दीपिका जैन धर्मेंद्र जैन सुरेश कुमार जैन प्राचार्य संजय सुविद्या विकास जैन राजकुमार जैन डॉ राजेन्द्र जी, अभिलाषा जी, धीरेन्द्र जी, शिखर जी, अखिलेश जी डॉ दिलीप जी, अशोक जी आदि सभी की रही।

डॉ. के. विक्रम राव की स्मृति में जर्नलिज्म संस्थान खोले सरकार : अम्मार रिज़वी

प्रेस क्लब में श्रद्धांजलि अर्पित : यूपीडब्लूजेयू शुरू करेगी जिलों में गोष्ठियां : हसीब सिद्दीकी

लखनऊ (विश्व परिवार)। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे स्वर्गीय श्री के विक्रम राव को आज यूपी प्रेस क्लब में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, पत्रकारों और मजदूर संगठनों के नेताओं ने उन्हें स्मरण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

श्रद्धांजलि सभा में यूपी सरकार के पूर्व मंत्री अम्मार रिजवी ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि राव साहब ने कभी चुनौतियों के आगे झुकना नहीं सिखा। वह समस्याओं के खिलाफ लड़ते थे। उन्होंने शोक सभा में प्रस्ताव रखा की के विक्रम राव के नाम पर एक इंस्टीट्यूट आफ जर्नलिज्म उत्तर प्रदेश सरकार स्थापित करें।

इस बारे में यूनियन के प्रस्ताव पर वह मुख्यमंत्री से बात करेंगे। श्री रिजवी ने यह भीअपील किया कि प्रदेश के सभी पत्रकार संगठनों को इस प्रस्ताव के समर्थन में सरकार को ज्ञापन भेजना चाहिए।

एन सी पी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक सिराज मेंहदी ने कहा कि उनका जाना बेहद दुखद रहा। वह एक बहादुर नेता थे। संगठन के रूप में उनके कार्य अद्वितीय थे। राव ने पत्रकार साथियों के लिए श्रेष्ठ मानदंड स्थापित किया।

हिंद मजदूर सभा के नेता उमाशंकर मिश्रा ने के विक्रम राव के संघर्ष को याद करते हुए कहा कि आज के विक्रम राव जैसे व्यक्तित्व के धनी पत्रकारों की कमी हो गई है। जिसे पूरा तो नहीं किया जा सकता लेकिन उनके दिखाए गए मार्ग पर चलने की जरूरत है।

यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने के विक्रम राव को याद करते हुए कहा कि उन्होंने पत्रकारीय हितों के रक्षा के लिए लंबा संघर्ष किया। जहां-जहां उन्होंने संघर्ष की अगुवाई की उन जगहों पर उनकी स्मृति में गोष्ठियां आयोजित की जाएं।

यूपी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने कहा कि डॉ विक्रम राव कभी भी किसी के समक्ष झुके नहीं, उन्होंने अपना पूरा जीवन पत्रकारीय हितों के लिए समर्पित कर दिया। देश दुनिया की घटनाओं की उनकी जानकारी अद्वितीय थी।

इस अवसर पर उपस्थित स्वर्गीय के विक्रम राव की पत्नी डॉक्टर सुधा राव, पुत्र के विश्वदेव राव, बेटी विनीता ने उनकी स्मृति में पौधारोपण किया।

शोक सभा में प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री डॉ महेंद्र सिंह, पूर्व विधायक शैलेश सिंह शैलू, भाजपा प्रवक्ता समीर सिंह, इंसराम अली, रजत मिश्रा, विजय शंकर पंकज, देवराज सिंह, प्रेम कांत तिवारी, शिवशरण सिंह, सुरेश बहादुर सिंह, नितिन श्रीवास्तव, राकेश पाण्डेय, सर्वेश सिंह, मनोज मिश्रा, भरत सिंह, प्रद्युम्न तिवारी, मसूदउल हसन, जफर इरशाद, धीरेंद्र श्रीवास्तव, श्याम बाबू, इन्द्र मणि, राजेंद्र द्विवेदी, नायला किदवई समेत उपस्थित पत्रकारों, राजनेताओं ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

यदि आप धर्मात्मा हैं तो कभी कान के कच्चे न बनें : आचार्य श्री विमर्शसागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। सज्जन पुरुषों की संगति हमेशा करना चाहिए चाहे वह कठिनता से भी प्राप्त क्यों न हो और दुर्जनों की संगति यदि सुलभता से भी प्राप्त हो तो भी कभी ग्रहण नहीं करना चाहिए। गणधर भगवान गौतम स्वामी कहते हैं- संगति सर्वदायै:।

आचार्य भगवन् कुन्द ?कुन्द ? स्वामी कहते हैं - अज्ञानी जीव अपने ही अज्ञान एवं पापकर्मोदय से प्रभावित होकर जगत्पूज्य संयम तप, नियम, योग आदि गुणों को धारण करने वाले धर्मात्मा जनों पर मिथ्या-झूठे आरोप-दोष लगाता है ऐसा पापी पुरुष स्वयं धर्म से भ्रष्ट है और वह दूसरे धर्मात्माओं को भी भ्रष्ट करना चाहता है।

धर्मात्मा जीवों को कभी भी कान का कच्चा नहीं बनना चाहिए जैसे कभी किसी अज्ञानी जीव ने गुणों के समुद्र धर्मात्मा पुरुषों की आपके कान में निन्दा - बुराई - चुगलखोरी फूंक दी और आपने उसको यथार्थ मानकर उन धर्मात्मा के प्रति अश्रद्धा अपने अंदर पैदा कर ली और अन्य लोगों के बीच भी उनका अपवाद फैलाने लगे ऐसे अज्ञानी जनों को घोर पापकर्म का बंध निरंतर होता रहता है जिससे वे चिरकाल तक नरकादि दुर्गतियों के दु:खों को भोगते रहते हैं।

सच्चे धर्मात्मा जन तो वे होते हैं कि कभी किसी धर्मनिष्ठ जीव से प्रमादवश अथवा कर्मोदय से कोई दोष हो गया तो भी सच्चे धर्मात्मा जीव उनके दोष का उपगूहन (ढाँकना) करते हैं और स्थितिकरण करते हैं किन्तु कभी भी भूलकर भी उनकी निन्दा - बुराई-चुगली नहीं करते।

वर्तमान स्थितियों को देखते हुए क्या वास्तविक रूप से जैन अनुयायी नगण्य हो जाएंगे : संजय जैन बड़जात्या

कामां (विश्व परिवार)। सन्तों व श्रावको को चिंतन, मनन व मंथन कर भावी योजनाएं बनानी चाहिए। जैन धर्मावलंबियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है यह जनगणना के आंकड़े व्यक्त करते हैं। वास्तविक रूप से क्या आंकड़े हैं इसका अंदाजा लगाना शायद मुश्किल है। किंतु एक सार्थक और चिंतनीय प्रश्न सामने आकर खड़ा हो गया है कि भविष्य में क्या जैन धर्म के अनुयायियों की संख्या नगण्य हो जाएगी? जैन धर्म अन्य धर्म में तब्दील हो जाएगा? पहले प्रश्न पर महत्वपूर्ण चिंतन की आवश्यकता है क्योंकि दूसरा प्रश्न पहले प्रश्न से ही जुड़ा हुआ है।आखिरकार यह चिंतन क्यों हो रहा है और क्यों अब इस और कदम उठाने की आवश्यकता है इसके कुछ सटीक कारणों पर मंथन मनन करते हुए कार्य योजना बनाकर श्रावक और साधु दोनों को आगे बढ़ना होगा।

हम दो हमारे दो की प्रस्तावना से भी अलग, हम दो हमारे एक की प्रस्तावना पर हम चल रहे हैं और कुछ-कुछ तो हम दो हमारे एक भी नहीं की भावना भी व्यक्त कर रहे हैं। जैन धर्म में वर्तमान में विजातीय विवाह अत्यधिक दिखाई दे रहे हैं।जिसमें हमारी बेटियां भी जैन धर्म से अन्य धर्म में जा रही है जिसे समाज के द्वारा स्वीकार किया जा रहा है। अत्यधिक शिक्षित होने एवं अन्य सभ्यताओं से स्वयं की तुलना कर, उन सभ्यताओं को अपनाने की पद्धति बढ़ रही है।

अत्यधिक अभिभावक अपनी संतान की उन्नति चाहते हैं और उस उन्नति के चक्कर में अपनी संतान को विदेशों में भेज देते हैं जहां जैन धर्म के सिद्धांत बिल्कुल विलुप्त हो जाते हैं और वह संतान जैन धर्म से पृथक हो जाती है। वर्तमान पीढ़ी जैन धर्म के सिद्धांतों को पृथक कर अपना अलग ही जीवन जीना चाहती है जो सिद्धांतों मान्यताओं और बाध्यताओं से बहुत दूर हो यूं कहें की खुलापन समाज में छाता जा रहा है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

जिन शासन से बड़ी संसार की कोई विभूति नहीं है : मुनि जयकीर्ति

दस दिवसीय जैन रामायण कथा का तीसरा दिन - उमडे श्रद्धालु-सायंकाल हुई महाआरती एवं भक्ति संध्या में झूमे श्रद्धालु

जयपुर (विश्व परिवार)। राजस्थान जैन युवा महासभा, जैन कनेक्ट, दुर्गापुरा जैन मंदिर ट्रस्ट एवं महिला मंडल दुर्गापुरा के संयुक्त तत्वावधान में दिगम्बर जैन मुनि जयकीर्ति के मुखारबिंद से गुलाबी नगरी जयपुर की पुण्य धरा पर पहली बार दुर्गापुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभजी में दस दिवसीय जैन रामायण कथा का आयोजन चल रहा है। कथा में तीसरे दिन मुनि जयकीर्ति महाराज ने वनवास में मुनियों पर उपसर्ग, सीता की मुनि भक्ति सहित जटायु का उद्धार प्रसंग पर प्रकाश डाला। इस मौके पर बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

दुर्गापुरा दिगम्बर जैन महिला मण्डल की अध्यक्ष रेखा लुहाड़िया एवं महामंत्री रानी सोगानी ने बताया कि रविवार, 18 मई से मंगलवार, 27 मई, 2025 तक प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मपुराण' पर आधारित जैन रामायण कथा के भव्य संगीतमय आयोजन मे तीसरे दिन मंगलवार को भगवान चन्द्र प्रभू के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन समाज श्रेष्ठी विनोद जैन कोटखावदा, वन्दन ग्ररुप के रतन संघी, सुधीर जैन, सम्यक जैन प्रमिल गुप्ता एवं अन्य सभी अतिथियों ने किया।

ब्रह्मचारिणी पल्लवी दीदी द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया। मुनि श्री जयकीर्ति महाराज के पाद पक्षालन समाज श्रेष्ठी नरेन्द्र - मुन्नी देवी, अतुल-शशि सोगानी, नमन-श्रुतिका सोगानी बापूनगर वालो एवं युवा समाजसेवी विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा ने किया।

राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष युवा समाजसेवी विनोद जैन कोटखावदा-दीपिका जैन कोटखावदा की 36 वीं वैवाहिक वर्ष गांठ पर समाज की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इससे पूर्व कोटखावदा दम्पति ने मुनि श्री जयकीर्ति महाराज को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर आयोजन समिति की ओर से प्रदीप जैन, चेतन जैन निमोडिया, राहुल गोधा, कमलेश जैन, सुनील संघी, विमल गंगवाल, डॉ मनीष जैन 'मणि' जय कुमार जैन, रितु चांदवाड, रेखा लुहाड़िया, रेखा पाटनी, सीमा सेठी, मोना चांदवाड, प्रेम देवी बाकलीवाल, सुशीला काला, दीपिका गोधा आदि ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया।

इस मौके पर अतुल सोगानी, अशोक पाण्डया, रतन संघी, सुधीर जैन, सिद्धार्थ पाण्डया, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, जी सी जैन, मनोज सोगानी, चेतन जैन निमोडिया आदि ने श्रीफल भेट कर मुनि श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात कथा के मुख्य श्रोता राजा श्रेणिक के रुप में दुर्गापुरा दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष समाज श्रेष्ठी प्रकाश चन्द-मनोरमा देवी चांदवाड दौसा वालो का गाजों बाजों के साथ सभागार में जयकारों के बीच आगमन हुआ। राजा श्रेणिक परिवार प्रकाश चन्द-मनोरमा देवी, अनिल - मोना, संदीप-डिम्पल, सुनील-टीना चांदवाड परिवार द्वारा मुनि श्री को जिनवाणी भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात राजा श्रेणिक बने प्रकाश चन्द - मनोरमा देवी चांदवाड ने मुनि श्री से प्रश्न किया मुनि श्री द्वारा समाधान के रुप में रविषेणाचार्य द्वारा रचित प्राचीन जैन ग्रन्थ 'पद्मपुराण' में उल्लेखानुसार जैन रामायण कथा का वाचन प्रारम्भ किया। गुरुदेव के मुखारविंद से राम कथा के तीसरे दिन मधुर संगीत और मधुर आवाज ने श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दियाज.कथा के दौरान जैन धर्म की महानता के अद्भुत प्रसंग आयेज..कपिल ब्राह्मण की दरिद्रता दूर हुई कपिल ब्राह्मण का मुनिराज से धर्मोपदेश सुनने के बाद पूरा जीवन ही परिवर्तित हो गया और उसने अपनी पत्नी को भी सारे उपदेश सुनाएं और दोनों ने अणुव्रत को अंगीकार किया और फिर प्रभु श्री राम से मिलने के बाद में उनकी दरिद्रता दूर हो गई और फिर बहुत पश्चाताप होने के बाद में उन्होंने अरिहंत नाम के रसायन को प्राप्त करके जिनदीक्षा लेने का निर्णय किया और अपने जीवन को धन्य करके जिन शासन के पथ पर आरूढ़ हो गएज..और उधर लक्ष्मण का विवाह वरमाला के साथ में हुआ राम और लक्ष्मण का अतिवीर्य राजा के साथ में युद्ध हुआ और अतिवीर्य राजा को जिनमंदिर को देखकर वैराग्य हों गया।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर, बुधवार 21 मई 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

तिरुपति बालाजी मंत्र अत्यंत प्रभावशाली है

तिरुपति बालाजी का दिव्य-भव्य मंदिर आज भी दक्षिण भारतीय वास्तुकला और शिल्प का सर्वोत्तम उदाहरण है। भगवान तिरुपति बालाजी भगवान विष्णु का ही दूसरा रूप है। तिरुपति बालाजी मंत्र से भगवान बालाजी को प्रसन्न किया जाता है, उनके प्रति सम्मान और श्रद्धा प्रकट की जाती है। तिरुपति बालाजी मंत्र अत्यंत प्रभावशाली है.।

भगवान तिरुपति बालाजी मंत्र-
ऊँ श्री वेंकटेश्वराये नमो नमः.
श्रीमन नारायण नमो नमः.
तिरुमल तिरुपति नमो नमः.
जय बालाजी नमो नमः
ऊँ श्री वेंकटेश्वराये नमो नमः.
श्रीमन नारायण नमो नमः.
तिरुमल तिरुपति नमो नमः.
जय बालाजी नमो नमः.

- यह मंत्र एक शुद्ध ध्वनि कंपन है जो मन को मोह माया और भ्रम से बचाता है।
- इस जप मंत्र को निरंतर दोहराने की प्रक्रिया करने से यह जप मंत्र प्राण में ऊर्जा भर देता है।
- जब इस मंत्र का उच्चारण किया जाता है तो मन शांत होकर ध्यान मुद्रा में चला जाता है।
- उच्चारण के बिना मंत्रों की शक्ति कम हो जाती है और कामना पूर्ति या लक्ष्य प्राप्ति में उनका प्रभाव नहीं होता है।
- इस मंत्र को पढ़ने से खुशी मिलती है। ये मन की भावनाओं को पवित्र कर शरीर में ऊर्जा का प्रवाह करता है।
- यह मंत्र भय की भावनाओं को कम करता है। रचनात्मक प्रक्रिया को बढ़ाता है।
- शारीरिक दर्द और अवसाद को मन से दूर भगाता है।
- मन को शांत कर अच्छी नींद लाने में मदद करता है।
- इस मंत्र को हर रोज सुनने से आध्यात्मिक समृद्धि का अनुभव होता है।

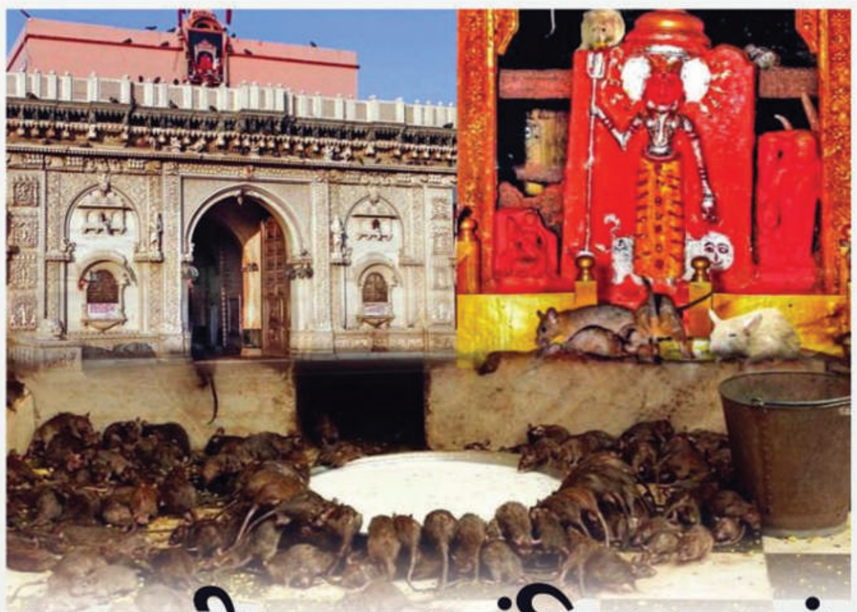

करणी माता मंदिर, जहां होती है चूहों की पूजा

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार हिन्दू धर्म में 33 करोड़ देवी-देवता माने गए है, जिनका पूजन भक्तों द्वारा अपने अपने ढंग से किया जाता है। हिन्दू धर्म में हवा, पृथ्वी, जल, पशु-पक्षी आदि को भी भगवान के रूप में पूजा जाता है तथा इनके मंदिरों के बारे में भी आपने कई बार सुना होगा। एक ऐसा ही मंदिर है - बीकानेर राजस्थान में, जो इन दिनों काफी चर्चा में है। ये है देशनोक का करणी माता मंदिर, जो दुनियाभर में 'चूहों के एकमात्र मंदिर' के नाम से भी प्रसिद्द है।

यह मंदिर उन 20 हजार काले और कुछ सफेद चूहों के लिए प्रसिद्ध है, जो इसी मंदिर में रहते है और पूजनीय है। यहां चूहों को पवित्र माना जाता है और इन्हें ''कब्बा'' कहा जाता है। बहुत से लोग दूर-दूर से इस मंदिर में चूहों के प्रति सम्मान व्यक्त करने और अपनी इच्छाओं को वास्तविकता के रूप में प्राप्त करने के लिए आते हैं। इसे 19वी शताब्दी में महाराजा गंगा सिंह द्वारा बनवाया गया था। मुगल शैली में डिजाइन किए गए इस मंदिर को बनाने में संगमरमर के पत्थरों का उपयोग किया गया है।

इस मंदिर का मुख्य द्वार ठोस चांदी से बना हुआ है। मंदिर के भीतर भी अन्य कई चांदी के दरवाजे स्थित है, जिनपर इस मंदिर के इतिहास से जुड़ी कलाकृतियां अंकित है। देवी का मंदिर आतंरिक गर्भगृह में है। साल 1999 में हैदराबाद के जौहरी कुन्दलाल वर्मा के सहयोग से इस मंदिर को और अधिक सजाया गया तथा संगमरमर की नक्काशी और चांदी के चूहे भी उनके द्वारा मंदिर को दान किए गए।

क्या है मंदिर की रोचक कहानी?

स्थानीय लोककथाओं के अनुसार , एक बार 20 हजार सैनिकों की फौज किसी युद्ध से पीठ दिखाकर देशनोक गांव भाग आई। जब करणी माता को इस बात का पता चला कि ये सैनिक युद्ध में पीठ दिखाकर यहां आए हैं, तो माता ने उन सभी सैनिकों को दण्डस्वरुप चूहों में बदल दिया। सैनिकों ने भी बदले में कृतज्ञता व्यक्त की और देवी से हमेशा उनकी सेवा करने का वादा किया। आपको सभी चूहों में से कुछ सफेद चूहे भी मिल सकते हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे स्वयं करणी माता और उनके चार पुत्र हैं।

एक अन्य किंवदंती कहती है कि एक बार करणी माता का सौतेला पुत्र लक्ष्मण पानी पीने के दौरान कोलायत तहसील के कपिल सरोवर नामक तालाब में डूब गए थे। माता ने मृत्यु के देवता यम से उन्हें जीवनदान देने के लिए प्रार्थना की, जिसे यम ने पहले मना कर दिया और बाद में लक्ष्मण और माता के सभी नर बच्चों को चूहों के रूप में पुनर्जन्म की अनुमति दी। मंदिर का निर्माण 20 वीं शताब्दी की शुरुआत में पूरा हुआ था। यह मंदिर इसकी पौराणिक और लोककथाओं के लिए बहुत प्रसिद्ध है। मंदिर को उच्च आस्था का स्थान भी माना जाता है जहां लोग देवी का आशीर्वाद लेने आते हैं। यह भी माना जाता है कि अगर किसी चूहे को मार दिया जाए तो उसे चांदी के चूहे से बदल दिया जाना चाहिए।

वैशाख पूर्णिमा को जन्मे थे महात्मा बुद्ध

वैशाख पूर्णिमा के दिन बुद्ध पूर्णिमा यानी बुद्ध जयंती मनाई जाएगी। गौतम बुद्ध ने ही बौद्ध धर्म की स्थापना की थी। वाराणसी के 10 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित सारनाथ में गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया। यही से उन्होंने धर्मचक्र प्रवर्तन प्रारंभ किया था। जानते हैं बौद्ध धर्म की खास बातें।

- ईसाई और इस्लाम धर्म से पूर्व बौद्ध धर्म की उत्पत्ति हुई थी। उक्त दोनों धर्म के बाद यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा धर्म है।
- इस धर्म को मानने वाले ज्यादातर चीन, जापान, कोरिया, थाईलैंड, कंबोडिया, श्रीलंका, नेपाल, भूटान और भारत आदि देशों में रहते हैं।
- पूर्व में यह धर्म यूनान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अरब के कई हिस्सों में फैला, किंतु ईसाई और इस्लाम के प्रभाव के चलते इस धर्म को मानने वाले लोग उक्त इलाकों में अब नहीं के बराबर ही है।
- इस धर्म के मुख्यतः दो संप्रदाय है हिनयान और महायान। हिनयान यानी छोटी गाड़ी या यान और महायान यानी बड़ी गाड़ी। हिनयान को ही थेरवाद भी कहते हैं। महायान के अंतर्गत बौद्ध धर्म की एक तीसरी शाखा थी वज्रयान। झेन, ताओ, शिंतो आदि अनेकों बौद्ध सम्प्रदाय भी उक्त दो सम्प्रदाय के अंतर्गत ही माने जाते हैं।
- बौद्ध धर्म के चार तीर्थ स्थल हैं- लुंबिनी, बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर। लुम्बिनी तीर्थ नेपाल में है। बोधगया भारत के बिहार में है। सारनाथ भारत के उत्तरप्रदेश में काशी के पास हैं। कुशीनगर उत्तरप्रदेश के गोरखपुर के पास का एक जिला है।
- बौद्ध धर्म के धर्मग्रंथ को त्रिपिटक कहा जाता है। अर्थात तीन पिटक- विनय पिटक, सुत्त पिटक और अभिधम्म पिटक। त्रिपिटक सुत्तपिटक के खुद्दक निकाय के एक अंश धम्मपद को पढ़ने का ज्यादा प्रचलन है। बुद्ध ने अपने उपदेश पालि भाषा में दिए, जो त्रिपिटकों में संकलित हैं।
- गौतम बुद्ध के पिछले जन्म पर आधारित जातक कथाएं इस धर्म का शिक्षाप्रद ग्रंथ है। बौद्ध जातक कथाएं विश्व प्रसिद्ध हैं। जिनके आधार पर ही ईसप की कथाएं निर्मित हुई।
- बौद्ध धर्म के मूल तत्व है- चार आर्य सत्य, आष्टांगिक मार्ग, प्रतीत्यसमुत्पाद, अव्याकृत प्रश्नों पर बुद्ध का मौन, बुद्ध कथाएँ, अनात्मवाद और निर्वाण।
- वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन बुद्ध का जन्म हुआ था और इसी दिन उन्हें ज्ञान प्राप्त हुआ था तथा इसी दिन उन्होंने देह छोड़ दी थी अर्थात निर्वाण प्राप्त किया था इसलिए उक्त पूर्णिमा के दिन बुद्ध जयंती और निर्वाण दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा आषाढ़ की पूर्णिमा का दिन भी बौद्धों का प्रमुख त्योहार होता है। वैशाख माह की पूर्णिमा के दिन बुद्ध का जन्म नेपाल के लुम्बिनी में ईसा पूर्व 563 को हुआ। इसी दिन 528 ईसा पूर्व उन्होंने भारत के बोधगया में सत्य को जाना और इसी दिन वे 483 ईसा पूर्व को 80 वर्ष की उम्र में भारत के कुशीनगर में निर्वाण (मृत्यु) को उपलब्ध हुए।
- दो शब्दों में बौद्ध धर्म को व्यक्त किया जा सकता है- अभ्यास और जागृति। बौद्ध धर्म नास्तिकों का धर्म है। कर्म ही जीवन में सुख और दु:ख लाता है। सभी कर्म चक्रों से मुक्त हो जाना ही मोक्ष है। कर्म से मुक्त होने या ज्ञान प्राप्ति हेतु मध्यम मार्ग अपनाते हुए व्यक्ति को चार आर्य सत्य को समझते हुए अष्टांग मार्ग का अभ्यास कहना चाहिए यही मोक्ष प्राप्ति का साधन है।
- धम्मचक्र के आठ पहिए तथागत बुद्ध के बताए हुए अष्टांगिक मार्ग को दर्शाते हैं। बाद के अनुयायियों ने 24 आवश्यक गुण निर्धारित किए जैसे धैर्य, श्रद्धा, आत्म नियंत्रण आदि, इन्हें भी बाद के धर्मचक्र में 24 आरियों के रूप में प्रतीक रूप दर्शाया जाने लगा। अशोक के प्रस्तर लेखों में भी धर्मचक्र है और अशोक स्तम्भ में यह चक्र 24 आरियों का है। इसे ही भारत के राष्ट्रीय ध्वज में अपनाया गया है।

हर तरह के खतरों से सुरक्षित रखता है बौद्ध धर्म का चमत्कारी मंत्र

बौद्ध धर्म का एक विशेष मंत्र है, जो षडाक्षरीय मंत्र के नाम से प्रचलित हैं। यह चमत्कारी मंत्र सभी प्रकार के खतरों से सुरक्षा के लिए जपा जाता है। यह एक ऐसा चमत्कारिक मंत्र हैं, जो मनुष्य को जीवन में आने वाले हर परेशानी में सुरक्षित रखता है तथा संकट से पार लगा देता है। इस षडाक्षरीय मंत्र का उल्लेख अवलोकितेश्वरा में किया गया है।

बौद्ध धर्म का बीज मंत्र -
'ओम मणि पदमे हूम'

- इस मंत्र का जप बौद्ध धर्म की महायान शाखा में प्रमुख रूप से किया जाता है।
- यह मंत्र अक्सर प्रार्थना चक्र, स्तूपों की दीवार, धर्म स्थानों के पत्थरों, मणियों आदि में खुदा हुआ या चित्रित रूप में मिल जाता है।
- जिस प्रार्थना चक्र पर यह मंत्र खुदा होता है उसको 1 बार घुमाने पर माना जाता है कि उसने इस मंत्र को 10 लाख बार जपा है।
- यह मंत्र अंगूठी या अन्य आभूषणों में भी मुद्रित रहता है।
- बताया जाता है कि जो कोई इस मंत्र को जपता है, वह सब खतरों से सुरक्षित हो जाता है।

महात्मा बुद्ध से जुड़ी बड़ी जानकारियां

भगवान बुद्ध का जन्म वैशाख माह की पूर्णिमा के दिन हुआ था। इस बार अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 12 मई 2025 को गौतम बुद्ध की जयंती मनाई जाएगी।

गौतम बुद्ध का जन्म स्थान : गौतम बुद्ध का जन्म ईसा से 563 साल पहले नेपाल के तराई क्षेत्र में कपिलवस्तु और देवदह के बीच नौतनवा स्टेशन से 8 मील दूर पश्चिम में रुक्मिनदेई नामक स्थान है, जहां एक लुम्बिनी नाम का वन था। वहां उनका जन्म हुआ था। दरअसल, कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी अपने नैहर देवदह जा रही थीं, तो रास्ते में लुम्बिनी वन में ही उन्होंने बुद्ध को जन्म दिया। गौतम बुद्ध का जन्म नाम सिद्धार्थ था। उनके पिता का नाम शुद्धोदन था। सिद्धार्थ के पिता शुद्धोदन कपिलवस्तु के राजा थे और उनका सम्मान नेपाल ही नहीं समूचे भारत में था। सिद्धार्थ ने गुरु विश्वामित्र के पास वेद और उपनिषद् तो पढ़े ही, राजकाज और युद्ध-विद्या की भी शिक्षा ली। कुश्ती, घुड़दौड़, तीर-कमान, रथ हांकने में कोई उसकी बराबरी नहीं कर पाता था।

पत्नि यशोधरा और पुत्र राहुल : गौतम बुद्ध शाक्यवंशी छत्रिय थे। शाक्य वंश में जन्मे सिद्धार्थ का सोलह वर्ष की उम्र में दंडपाणि शाक्य की कन्या यशोधरा के साथ विवाह हुआ। यशोधरा से उनको एक पुत्र मिला जिसका नाम राहुल रखा गया। बाद में यशोधरा और राहुल दोनों बुद्ध के भिक्षु हो गए थे।

भविष्यवाणी : बुद्ध के जन्म के बाद एक भविष्यवक्ता ने राजा शुद्धोदन से कहा था कि यह बालक चक्रवर्ती सम्राट बनेगा, लेकिन यदि वैराग्य भाव उत्पन्न हो गया तो इसे बुद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता और इसकी ख्याति समूचे संसार में अनंतकाल तक कायम रहेगी। राजा शुद्धोदन सिद्धार्थ को चक्रवर्ती सम्राट बनते देखना चाहते थे इसीलिए उन्होंने सिद्धार्थ के आस-पास भोग-विलास का भरपूर प्रबंध कर दिया ताकि किसी भी प्रकार से वैराग्य उत्पन्न न हो। बस यही गलती शुद्धोदन ने कर दी और सिद्धार्थ के मन में वैराग्य उत्पन्न हो गया।

शाक्य संघ से मतभेद : जनश्रुति मान्यता अनुसार एक बार वे शाक्यों के संघ में सम्मलित होने गए। वहां उनका विचारिक मतभेद हो गया। मन में वैराग्य भाव तो था ही, इसके अलावा क्षत्रिय शाक्य संघ से वैचारिक मतभेद के चलते संघ ने उनके समक्ष दो प्रस्ताव रखे थे। वह यह कि फांसी चाहते हो या कि देश छोड़कर जाना। सिद्धार्थ ने कहा कि जो आप दंड देना चाहें। शाक्यों के सेनापति ने सोचा कि दोनों ही स्थिति में कौशल नरेश को सिद्धार्थ से हुए विवाद का पता चल जाएगा और हमें दंड भुगतना होगा तब सिद्धार्थ ने कहा कि आप निश्चिंत रहें, मैं संन्यास लेकिन चुपचाप ही देश से दूर चला जाऊंगा। आपकी इच्छा भी पूरी होगी और मेरी भी।

गृहत्याग : आधी रात को सिद्धार्थ अपना महल त्यागकर 30 योजन दूर गोरखपुर के पास अमोना नदी के तट पर जा पहुंचे। वहां उन्होंने अपने राजसी वस्त्र उतारे और केश काटकर खुद को संन्यस्त कर दिया। उस वक्त उनकी आयु थी 29 वर्ष।

तपस्या : ज्ञान की तलाश में सिद्धार्थ घूमते-घूमते अलारा कलम और उद्दाका रामापुत के पास पहुंचे। उनसे उन्होंने योग-साधना सीखी। कई माह तक योग करने के बाद भी जब ज्ञान की प्राप्ति नहीं हुई तो उन्होंने उरुवेला पहुंच कर वहां घोर तपस्या की।

बोधिवृक्ष : सुजाता नाम की एक महिला ने वटवृक्ष से मन्नत माँगी थी कि मुझको यदि पुत्र हुआ तो खीर का भोग लगाऊँगी। उसकी मन्नत पूरी हो गई तब वह सोने की थाल में गाय के दूध की खीर लेकर वटवृक्ष के पास पहुँची और देखा की सिद्धार्थ उस वट के नीचे बैठे तपस्या कर रहे हैं। सुजाता ने इसे अपना भाग्य समझा और सोचा कि वटदेवता साक्षात हैं तो सुजाता ने बड़े ही आदर-सत्कार के साथ सिद्धार्थ को खीर भेंट की और कहा 'जैसे मेरी मनोकामना पूरी हुई है यदि तुम भी किसी मनोकामना से यहाँ बैठे हो तो तुम्हारी मनोकामना भी पूर्ण होगी।'

ज्ञान प्राप्ति : छः साल बीत गए तपस्या करते हुए। सिद्धार्थ की तपस्या सफल नहीं हुई। तब एक दिन कुछ स्त्रियां किसी नगर से लौटती हुई वहां से निकलीं, जहां सिद्धार्थ तपस्या कर रहे थे। उनका एक गीत सिद्धार्थ के कान में पड़ा- 'वीणा के तारों को ढीला मत छोड़ दो। ढीला छोड़ देने से उनका सुरीला स्वर नहीं निकलेगा। पर तारों को इतना कसो भी मत कि वे टूट जाएं।' बात सिद्धार्थ को जंच गई। वह मान गए कि नियमित आहार-विहार से ही योग सिद्ध होता है। अति किसी बात की अच्छी नहीं। किसी भी प्राप्ति के लिए मध्यम मार्ग ही ठीक होता है। बस फिर क्या था कुछ ही समय बाद ज्ञान प्राप्त हो गया। बोधी प्राप्ति की घटना ईसा से 528 वर्ष पूर्व की पूर्णिमा के दिन की है जब सिद्धार्थ 35 वर्ष के थे। भारत के बिहार में बोधगया में आज भी वह वटवृक्ष विद्यमान है जिसे अब बोधीवृक्ष कहा जाता है। सम्राट अशोक इस वृक्ष की एक शाखा श्रीलंका ले गए थे, वहां भी यह वृक्ष है।

उपदेश : वाराणसी के 10 किलोमीटर पूर्वोत्तर में स्थित सारनाथ में गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया। यही से उन्होंने धर्मचक्र प्रवर्तन प्रारंभ किया था। उन्होंने अपने जीवन के अनुभव सुनाने के साथ ही चार आर्य सत्य और आष्टांगिक मार्ग के सिद्धांत को प्रतिपादित किया।

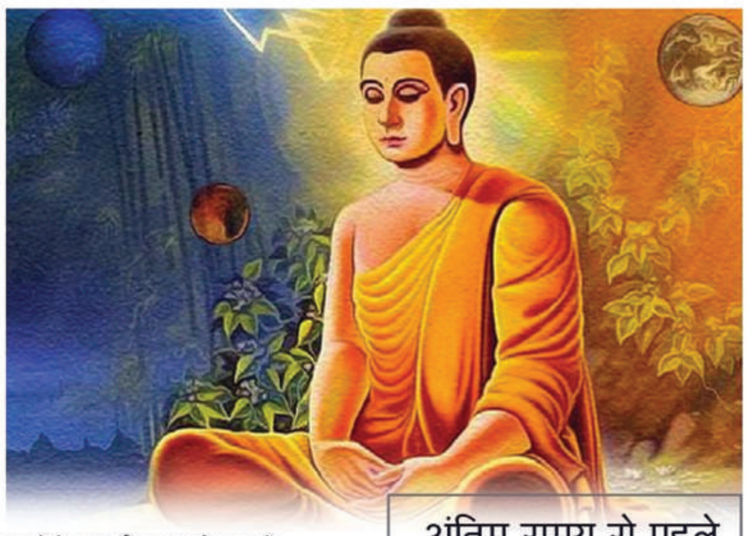

बौद्ध धर्म के पहले अनुयायी : वारणसी के निकट सारनाथ में महात्मा बुद्द ने अपना पहला उपदेश पांच पंडितों, साधुओं को दिया, जो बौद्ध परंपरा में धर्मचक्रप्रवर्तन के नाम से विख्यात हैं। महात्मा बुद्ध ने तपस्स एवं मल्लक नाम के दो लोगों को बौद्ध धर्म का सर्वप्रथम अनुयायी बनाया, जिन्हें शूद्र माना जाता था। बौद्ध धर्म ने वर्ण व्यवस्था एवं जाति प्रथा का विरोध करता है।

प्रमुख शिष्य : गौतम बुद्ध के प्रमुख शिष्यों में आनंद, अनिरुद्ध, महाकश्यप, रानी खेमा (महिला), महाप्रजापति (महिला), भद्रिका, भृगु, किम्बाल, देवदत्त, उपाली आदि का नाम लिया जाता है।

पूर्व जन्म का ज्ञान : गौतम बुद्ध को अपने कई जन्मों की स्मृतियां थीं और यह भी वे अपने भिक्षुओं के भी कई जन्मों को जानते थे। यही नहीं वे अपने आसपास के पशु, पक्षी और पेड़-पौधे आदि के पूर्वजन्मों के बारे में भी भिक्षुओं को बता देते थे। जातक कथाओं में बुद्ध के लगभग 549 पूर्व जन्मों का वर्णन है।

देह के लिए झगड़ा : कहते हैं कि उनके अवशेषों पर मगध के राजा अजातशत्रु, कपिलवस्तु के शाक्यों और वैशाली के विच्छवियों आदि में भयंकर झगड़ा हुआ। जब झगड़ा शांत नहीं हुआ तो द्रोण नामक ब्राह्मण ने समझौता कराया कि अवशेष आठ भागों में बांट लिए जाएं। ऐसा ही हुआ। आठ स्तूप आठ राज्यों में बनाकर अवशेष रखे गये। बताया जाता है कि बाद में अशोक ने उन्हें निकलवा कर 84000 स्तूपों में बांट दिया था। गौतम बुद्ध के अस्थि अवशेषो पर भट्टि (दभारत) में निर्मित प्रचीनतम स्तूप को महास्तूप की संज्ञा दी गई है।

अंतिम संदेश : कहते हैं कि भगवान बुद्ध ने एक वृक्ष के नीचे लेटकर अपने शिष्यों से पूछा कि अंतिम बार कुछ पूछना चाहते हो तो पूछें। अंत में भगवान बुद्ध ने कहा, 'हे भिक्षुओं, इस समय आज तुमसे इतना ही कहता हूंकि जितने भी संस्कार हैं, सब नाश होने वाले हैं, प्रमाद रहित हो कर अपना कल्याण करो। अप्प दीपो भवः। ऐसा कहते हुए देह को त्याग दिया। 483 ईसा पूर्व को 80 वर्ष की उम्र में पर्णिमा के दिन उन्होंने देह छोड़ी।

अंतिम समय से पहले

बुद्ध ने कहा, 'मेरा जन्म दो शाल वृक्षों के मध्य हुआ था, अतः अन्त भी दो शाल वृक्षों के बीच में ही होगा। अब मेरा अंतिम समय आ गया है।' आनंद को बहुत दु:ख हुआ। वे रोने लगे। बुद्ध को पता लगा तो उन्होंने उन्हें बुलवाया और कहा, 'मैंने तुमसे पहले ही कहा था कि जो चीज उत्पन्न हुई है, वह मरती है। निर्वाण अनिवार्य और स्वाभाविक है। अतः रोते क्यों हो? बुद्ध ने आनंद से कहा कि मेरे मरने के बाद मुझे गुरु मानकर मत चलना।

जन्म, निर्वाण और मृत्यु का एक ही समय

बुद्ध ने अपने जन्म, संबोधि, निर्वाण और महापरिनिर्वाण में सभी समय का गजब तालमेल रखा। वैशाख पूर्णिमा के दिन नेपाल के लुम्बिनी वन में एक वृक्ष के नीचे बुद्ध का जन्म हुआ। इसी दिन उन्होंने बोधगया में एक वृक्ष के नीचे जाना कि सत्य क्या है और इसी दिन 80 वर्ष की उम्र में कुशीनगर में दो वृक्षों ने नीचे अलविदा कह गए।

6 दिन तक देह रही सुरक्षित

कहते हैं कि गौतम बुद्ध ने जब देह त्याग दी तक उनके जाने पर 6 दिनों तक लोग उनकी देह के दर्शनों के लिए आते रहे। सातवें दिन देह को जलाया गया।

आठ स्तूप

तथागत के निर्वाण के पश्चात उनके शरीर के अवशेष (अस्थियाँ) आठ भागों में विभाजित हुए और उन पर आठ स्थानों में आठ स्तूप बनाए गए हैं। आठ मुख्य स्तूप- कुशीनगर, पावागढ़, वैशाली, कपिलवस्तु, रामग्राम, अल्लकल्प, राजगृह तथा बेटद्वीप में बने। पिप्पलीय वन में अंगार स्तूप बना। कुम्भ स्तूप भी संभवतः कुशीनगर के पास ही बना। इन स्थानों में कुशीनगर, पावागढ़, राजगृह, बेटद्वीप (बेट-द्वारका) प्रसिद्ध हैं। पिप्पलीय वन, अल्लकल्प, रामग्राम का पता नहीं है। कपिलवस्तु तथा वैशाली भी प्रसिद्ध स्थान हैं।

शिक्षा ही जीवन की असली पूंजी : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि शिक्षा ही जीवन की असली पूंजी है। इसके बिना जीवन अधूरा है। यह न केवल रोजगार का माध्यम है, बल्कि समग्र विकास का आधार भी है। वे आज सवेरे मुंगेली जिला मुख्यालय में जिला ग्रंथालय में 29.90 लाख रुपये की लागत से निर्मित अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, मुंगेली विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले तथा पूर्व सांसद श्री लखन साहू भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए आदर्श विद्यार्थी के पाँच गुण ﾠ卐काक चेष्टा बको ध्यानं, श्वान निद्रा तथैव च। अल्पाहारी गृहत्यागी, विद्यार्थी पंच लक्षणं का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को अनुशासित, मेहनती और लक्ष्यनिष्ठ बनने की प्रेरणा दी। एक छात्र द्वारा सोशल मीडिया के प्रभाव पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, डिजिटल युग में अच्छाई को अपनाएं और बुराई से दूर रहें।

श्री साय ने अपने छात्र जीवन के संघर्ष साझा करते हुए बताया कि अविभाजित रायगढ़ जिले में शिक्षा के अवसर सीमित थे। नटवर स्कूल ही एकमात्र विकल्प था। उन्होंने विद्यार्थियों से समय का सदुपयोग करने, कभी निराश न होने और परिश्रम को अपना मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने मुंगेली जिला ग्रंथालय में किया अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने 'प्रयास' और 'नालंदा परिसर' जैसे शैक्षणिक नवाचारों की सराहना की और कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हर जिले में आधुनिक ग्रंथालय स्थापित किए जाएं। उन्होंने मुंगेली जिला ग्रंथालय की सराहना करते हुए बताया कि यह ग्रंथालय अब तक सैकड़ों युवाओं की सफलता की नींव बन चुका है। उन्होंने इसे केवल अध्ययन का स्थल न मानकर एक सफलता केंद्र बताया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री को तोप सिंह कुंभकार द्वारा उनके चित्र का हस्तनिर्मित छायाचित्र तथा भगवद् गीता और अन्य स्मृति चिन्ह भी भेंट किए गए।

गौरतलब है कि जिला ग्रंथालय में वर्तमान में यहाँ 4780 से अधिक पुस्तकों का संग्रह, 893 पंजीकृत सदस्य, 32 टेबल, 11 सीसीटीवी कैमरे हैं। कार्यक्रम में राज्य के मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मानसून से पहले वार्डो के नालियों की सफाई तेज, महापौर बाघमार ने कहा- सफाई व्यवस्था तगड़ी हो

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम के सिकोला भाठा वार्ड-14 में नाली साफ-सफाई महाअभियान का निरीक्षण महापौर श्रीमती अल्का बाघमार ने टीम के साथ किया। उन्होंने स्कूल के पीछे सिकोला भाठा बस्तियों की गलियों और सड़कों में पैदल भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। मेयर ने वार्ड प्रभारी इंजीनियरों से कहा कि अवैध रूप से निगम की जमीन पर बिल्डिंग मटेरियल रखकर मकान निर्माण करने वालों सहित बिल्डिंग मटेरियल का व्यापार करने वालों पर कार्रवाई करने का। उन्होंने ये भी कहा कि सड़क तक अवैध रूप से सीढ़ी बनाकर यातायात बाधित करने वाले सभी का बिल्डिंग परमिशन की जांच करेंगें।उसके बाद सीधे तोड़ने की करने के निर्देश दिए।

अभियान के दौरान महापौर ने कार्यपालन अभियंता से कहा कि निगम के सभी इंजीनियरों के साथ समीक्षा बैठक लेकर शहर 60 वार्डो के मुख्य नालियों जो हर एक वार्डो से लगा हुआ हो। बारिश के पहले सभी वार्डो से जुड़े मुख्य नालियों के निर्माण कार्य हेतु शीघ्र प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करने निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी इंजीनयर अपने प्रभार वार्डो का निरीक्षण करें।

मेयर ने कार्यपालन अभियंता से कहा, इंजीनियरों के साथ बैठक लें, शहर के वार्डो से जुड़े हुए मुख्य नालियों के निर्माण कार्य हेतु शीघ्र प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करें

मेयर ने कहा मानसून करीब देखकर लंबे समय से जाम पड़ी नालियों के गंदे पानी की निकासी का काम शुरू कर दिया गया है।महा-सफाई अभियान के तहत दो दर्जन से अधिक सफाई कर्मचारी हर रोज महा-अभियान में नालियों की तल तक सफाई कर रहे हैं। मेयर ने कहा लोगो के द्वारा नालियों पर पक्का निर्माण कर देने की वजह से अक्सर साफ करने में दिक्कत होती है। सबसे अधिक परेशानी शहर के अंदर की नालियों की साफ-सफाई में होती है। दुकानदारों ने नालियों पर पक्का निर्माण कर दिया है। इसके कारण अधिकांश नालियां साफ नहीं हो पाती हैं। मेयर ने अभियान के दौरान सभी-नालियां के ऊपर अतिक्रमणकर्ताओं को 24 घण्टे का समय दिया गया।

मानसून से पहले वार्डो की नालियों की सफाई तेज, महापौर ने कहा सफाई व्यवस्था तगडी रहना चाहिए।महा-सफाई अभियान में साथ चल रहे इंजीनियरों से कहा नाली व सड़को का प्रस्ताव जल्द बनाकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

मेयर ने वार्ड 14 में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया और नालियों में जाली लगवाने का निर्देश दिया। उन्होंने क्षेत्र की गलियों और सड़कों की नियमित सफाई और कचरा उठाने का भी निर्देश दिया।इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, पार्षद श्रीमती ललिता ठाकुर युवराज कुंजाम, पटरीपार मण्डल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, शिवेंद्र परिहार, उपअभियंता विनोद मांझी, उपअभियंता विकास दमाहे, सुरेश भारती, रामलाल भट्ट सहित अन्य मौजूद रहें।

संक्षिप्त समाचार

सुशासन तिहार 2025 अंतर्गत दिव्यांगजनों को मिला ट्राईसिकल व वाकिंग स्टिक

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार 2025 अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा प्राप्त आवेदनों का निराकरण के साथ ही हितग्राहियो को उपकरण प्रदाय किया जा रहा है। इसी कड़ी में 15 एवं 19 मई को दिव्यांगजनों को ट्राई सिकल व वाकिंग स्टिक प्रदान किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार समाज कल्याण विभाग द्वारा जिला कार्यालय में ग्राम चारौदा के राजकुमार पटेल, औरठी के टोपाराम साहु, शत्रुहन यादव, ग्राम टोनाटार के नारायण प्रसाद यादव को ट्राई सिकल वितरण किया गया। इसीतरह ग्राम सुनसुनीया के संजय साहु, देवगांव के दुकलहा पाटले को हस्त चलित ट्राईसिकल एवं ग्राम रवान के महेन्द्र शर्मा को वाकिंग स्टिक प्रदान किया गया। इस अवसर पर उप संचालक समाज कल्याण अरविन्द गेड़ाम सहित विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

आज 8 वार्डों के लिए वार्ड-39 जेआरडी स्कूल में लगाया जाएगा समाधान शिविर

शहर के 8 वार्डो के लिए एक साथ लगेगा शिविर वार्ड क्रमांक 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38 एवं 39 के हितग्राहियों के लिए

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत तृतीय चरण के लिए समाधान शिविर का आयोजन समय सुबह 10 से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। इसके अंतर्गत 21 मई को वार्ड-39 जेआरडी स्कूल हिंदी भवन के सामने में लगने वाला शिविर स्थल में सभी व्यवस्था के निर्देश दिए।इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।शहर के 8 वार्डो के लिए एक साथ लगेगा शिविर वार्ड, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38 एवं 39 के हितग्राहियों के लिए आयुक्त सुमित अग्रवाल ने आवश्यक व्यवस्था के लिए निर्देश दिए और कहा कि टेबल-कुर्सी, शामियाना इत्यादि की व्यवस्था करने कहा है।

एनआईटी से स्टेबिलिटी टेस्ट के बाद हाउसिंग बोर्ड की पुरानी टंकियाँ को तोड़ा जाएगा

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के जोन क्रमांक 02 में स्थित हाउसिंग बोर्ड में लगभग 50 वर्ष पूर्व जल आपूर्ति के लिए पानी टंकी बनाया गया था। जो अब पुरानी हो गई है, कुछ पानी टंकियों से पानी लिकेज की भी शिकायत आ रही है। सीमेंट छोड़कर गिर रहा है, उसको देखते हुए नगर निगम भिलाई द्वारा वहां पर निर्मित पानी सप्लाई करने के लिए नई पानी टंकियाँ बना दी गई है। लेकिन अभी भी पुरानी टंकियों से पानी सप्लाई की जा रही है। नई टंकियाँ शीध्र ही चालू कर दी जाएगी, पुरानी टंकियों से किसी प्रकार की दुर्घटना ना हो इसलिए उसे डिस्मेंटल किया जाएगा। उसको तोड़ने से पहले नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से स्टेबिलिटी प्रतिवेदन लिया जाएगा। पानी टंकी की वास्तविक स्थिति क्या है। उसकी मजबूती किस प्रकार की है, टंकिया उपयोग के लायक है या नहीं। इन सब के प्रतिवेदन आने के बाद उसे तोड़ा जाएगा।

आज नगर निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, जोन आयुक्त येशा लहरे एवं अभियंतागणो को लेकर पानी टंकियों का अवलोकन करने गए। उन्होने निर्देश दिया कि सर्वप्रथमम यह ध्यान दिया जाए कि पानी सप्लाई पर्याप्त मात्रा में हो। जल आपूर्ति में किसी प्रकार का अवरोध न हो। अगर कहीं दिक्कत होगी, तो उसको ठीक करने के बाद ही टंकियाँ तोड़ा जाएगा। टंकियों को इस प्रकार से तोड़ा जाए, इसमें किसी प्रकार की दुर्घटना ना हो। क्योकि उसके चारो तरफ लम्बी बसावट हो गई है, टंकी को सावधानीपूर्वक तोड़ना पड़ेगा। जिससे किसी प्रकार की दुर्घटना ना हो, पीली पानी टंकी को तो हटाया जा चुका है अब हरी और लाल पानी टंकी बची हुई है। यह देखने में आया कि कुछ लोगो द्वारा वहां पर गेराज बनाकर गांड़ियाँ खड़ी की जा रही है। उसे भी हटाना पड़ेगा, जिससे कोई दुर्घटना ना हो।

भ्रमण के दौरान पार्षद पीयूष मिश्रा, नोहर वर्मा, प्रदीप सेन, कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा, बृजेश श्रीवास्तव, उपअभियंता अर्पित बंजारे, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, जोन स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

संस्कारधानी में विकास कार्य कराने डॉ. रमन सिंह आज देंगे 23.44 करोड़ रुपए की सौगात

विधानसभा अध्यक्ष 23 करोड़ रुपए से नालंदा परिसर सहित मूलभूत सुविधा रोड, नाली, मंच, भवन, उद्यान निर्माण के लिए करेगे भूमिपूजन

फिस एक्वेरियम का होगा उद्घाटन

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर विकास की कडी में मूलभूत सुविधा सहित अन्य विकास कार्य कराने शासन द्वारा 23 करोड राशि स्वीकृत की गयी, जिसे धरातल में मूर्त रूप देने कल 21 मई बुधवार को संध्या 6 बजे उर्जा पार्क में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ विधान सभा अध्यक्ष एवं राजनांदगांव के विधायक डॉ. रमन सिंह भूमिपूजन करेंगे, साथ ही पुष्पवाटिका में बने फिस एक्वेरियम का उद्घाटन भी करेगे। उक्त गरिमामय कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री माननीय श्री अरूण साव व श्री विजय शर्मा, सांसद श्री संतोष पाण्डे, पूर्व सांसद श्री अभिषेक सिंह सहित वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहेगे।

कार्यक्रम के संबंध में महापौर श्री मधुसूदन यादव ने बताया कि शासन अनुशंसा अनुसार खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत लगभग 30 लाख रूपये से पुष्पवाटिका में फिस एक्वेरियम का निर्माण किया गया है, जिसका कल डॉ. रमन सिंह जी उद्घाटन करेगे। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार संस्कारधानी में विकास कार्य कराने विधायक, सांसद एवं प्रभारी मंत्री की अनुशंसा पर माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय तथा माननीय उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव ने 23 करोड 44 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान किये, जिसमें राज्य बजट अंतर्गत 11.18 करोड रूपये से नालंदा परिसर निर्माण तथा अधोसंरचना मद अंतर्गत 66 विकास कार्य के लिए लगभग 6 करोड तथा अधोसंरचना व पर्यावरण उपकर अंतर्गत 66 कार्य के लिए 5.46 करोड रूपये तथा प्रभारी मंत्री अनुशंसा अंतर्गत 06 कार्य के लिए लगभग 24 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई।

महापौर श्री यादव ने बताया कि विद्यार्थियो को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए राजनांदगांव में नालंदा परिसर निर्माण करने स्वीकृति प्रदान किए, जिसमें सर्वसुविधा युक्त लायब्रेरी का निर्माण किया जाएगा, जहॉ विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर उच्च मुकाम हासिल करेगे। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार अधोसंरचना , पर्यावरण उपकर तथा प्रभारी मंत्री अनुशंसा निधि से लगभग 12 करोड रूपये की लागत से मूलभूत सुविधा के तहत रोड, नाली, सामुदायिक भवन, मंच, उद्यान, प्रवेश द्वार, शेड निर्माण आदि कार्य कराए जायेगे।

महापौर श्री यादव ने नगर विकास के लिए उक्त गरिमामय आयोजन में कल 21 मई को संध्या 6 बजे उर्जा पार्क में पार्षदों, जनप्रतिनिधियो, गणमान्य नागरिकों, पत्रकार बंधुओ एवं विद्यार्थियों से उपस्थिति की अपील की है।

विश्व विधिक मापविज्ञान दिवस के आयोजन व भू जल संवर्धन मिशन (शहरी) का शुभारंभ कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी एवं सदस्य हुए शामिल

रायपुर (विश्व परिवार)। आज दिनांक 20 मई 2025 को छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी और सदस्यगण न्यू सर्किट हाऊस, सिविल लाईन, रायपुर में आयोजित विश्व विधिक मापविज्ञान दिवस के आयोजन में शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में प्रदेश के खाद्य मंत्री श्री दयाल दस बघेल जी शामिल हुए तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले (द्बस) ने की। इस दौरान चेंबर के सदस्यों ने इस सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी।इसके साथ वे रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में भू जल संवर्धन मिशन (शहरी) के शुभारंभ कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी, माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी समेत कई बड़े नेता और अधिकारीगण भी शामिल हुए।कार्यक्रम में श्री जयशंकर गिरि जी ने चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से प्रेजेंटेशन दिया। कार्यक्रम को लेकर चेंबर अध्यक्ष श्री थौरानी जी ने कहा कि छत्तीसगढ़ नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की ओर से भू-जल और वर्षा जल के संरक्षण के लिए इस मिशन की शुरुआत हुई है। शहरों में जल संकट न हो और आने वाली पीढ़ियों के लिए भी पानी की समस्या उत्पन्न न हो इसके लिए भू-जल और वर्षा जल के संरक्षण की दिशा में कार्य करना आवश्यक है, प्रदेश सरकार ने इस दिशा में आज एक बड़ा कदम उठाया है यह अत्यंत हर्ष का विषय है। इसके लिए हम चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी, माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी समेत पूरे शासन-प्रशासन का साधुवाद करते हैं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से जयशंकर गिरि, उपाध्यक्ष प्रशांत गुप्ता जी, कपिल दोषी जी, विकास आहुजा जी, दिलीप इसरानी जी, राजू तरवानी जी व अन्य सदस्यगण शामिल हुए।

15 जून से शुरू होगा धरती आबा अभियान, आदिवासी क्षेत्रों में पहुंचाए जाएंगे सभी सरकारी योजनाएं

जिले के जनजातीय बाहुल्य 46 गांव प्रारंभिक रूप से चयनित

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना अंतर्गत धरती आबा जगरूकता और संतृप्तिकरण अभियान 15 से 30 जून 2025 तक चलाए जाएंगे। अभियान के तहत जनजातीय बाहुल्य गांव में सभी शासकीय योजनाओं का लाभ पात्रता अनुसार पहुंचाए जाएंगे। कलेक्टर दीपक सोनी ने मंगलवार को समय -सीमा की बैठक में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना के बेहतर क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को जरुरी निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री सोनी ने बताया कि अभियान के क्रियान्वयन हेतु आदिवासी विकास विभाग नोडल विभाग होगा एवं सभी विभाग अपने योजनाओं से चयनित गांव के जनजातीय हितग्राहियों को शतप्रतिशत लाभान्वित करेंगे। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 50 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले 46 गांव का प्रारंभिक रूप से चयन किया गया है। इसमें विकासखण्ड कसडोल के 21 गांव, बलौदाबाजार के 13, भाटापारा के 10 एवं विकासखंड सिमगा के 2 गांव शामिल हैं।

कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखो को निर्देशित किया कि चयनित गांव का भ्रमण कर योजनाओं से छूटे हुए हितग्राहियों का गेप आइडेंटिफीकेशन 14 जून तक पूरा कर लें। 15 जून से 30 जून तक अभियान में हितग्राहियों को पात्रतानुसार सभी योजनाओं से लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि अभियान अंतर्गत राशन कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, वयोवृद्ध कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, जाति, निवास, आय प्रमाण पत्र, पीएम उज्जवला गैस कनेक्शन, जनधन खाता, मनरेगा जॉब कार्ड, पेंशन योजना, मुद्रा लोन, पीएम विश्वकर्मा योजना, मातृ एवं शिशु कलयाण, टीकाकरण, आंगनबाड़ी आदि सेवाएं उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर ने समय- सीमा के आवेदनों की समीक्षा करते हुए सभी लंबित आवेदनों का समय पर निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने शहरी क्षेत्रों में सड़क, नाली की सफाई, पानी टंकी की सफाई बारिश से पहले पूरा कराने के निर्देश दिये। इसीतरह ग्रामीण क्षेत्रों के हैंडपंप, नलकूपों की वाटर टेस्टिंग, पानी टंकियों की सफाई एवं टंकी में सफाई का दिनांक लिखवाने के निर्देश पीएचई के अधिकारियों को दिये। उन्होने स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक शौचालय निर्माण एवं रख -रखाव को गंभीरता से लेते हुए अधूरे शौचालयों का निर्माण शीघ्र कराने व निर्मित शौचालयों को सक्रिय करने के निर्देश दिये।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गौते, मिथलेश डोंडे सहित सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

मेकाहारा की एक और उपलब्धि, दक्षिण अफ्रीका के मरीज की हुई सफल सर्जरी

रायपुर (विश्व परिवार)। पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित जनरल सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने राजधानी रायपुर में पढ़ाई कर रही साऊथ अफ्रीकी छात्रा के गाल ब्लैडर के स्टोन (पित्ताशय की पथरी) की सफल लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी सर्जरी कर विगत छह महीनों से मरीज को रह-रहकर उठने वाले पेट दर्द की समस्या से निजात दिलाई है। हालांकि यह सर्जरी विभाग में रूटीन में होती है लेकिन विगत दिनों की गई लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी इसलिए विशेष है कि छात्रा ने सर्जरी के लिए अपने देश वापस जाने की बजाय अम्बेडकर अस्पताल के डॉक्टरों पर भरोसा करते हुए यहीं सर्जरी कराने का निश्चय किया। मरीज के अटेंडर सिबोनेलो सनेलिस जुंगु का कहना है कि भारत के डॉक्टर साउथ अफ्रीका में मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज कर रहे तो हम भी भारत में क्यों नहीं इलाज करा सकते? हमें यहां के डॉक्टरों पर पूरा भरोसा है।

जनरल सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह के अनुसार, राज्य के निजी विश्वविद्यालय में बीएससी साइकोलॉजी में अध्ययनरत 21 वर्षीय छात्रा को 06 मई 2025 की रात को पेट में तीव्र दर्द की शिकायत हुई। साथ में उल्टी और भूख नहीं लग रही थी। छात्रा निजी अस्पताल में गई जहां उसकी जांच में पित्ताशय की पथरी होने की पुष्टि हुई। मरीज के परिजनों ने विगत कुछ समय से चिकित्सा महाविद्यालय एवं अम्बेडकर अस्पताल में हुई कई सफल ऑपरेशन के बारे में सुना था। इसके साथ ही दक्षिण अफ्रीका के कई अस्पतालों में भारतीय डॉक्टर सेवा दे रहे हैं जिससे मरीज के घरवालों का विश्वास भी यहां के डॉक्टरों के प्रति बरकरार है। अंतत: उनके घरवालों को विश्वविद्यालय द्वारा सूचना दी गई और उनके अटेंडर ने अम्बेडकर अस्पताल का चयन किया और मरीज को यहां लेकर आये। जहां पर सर्जरी विभाग में मरीज का उपचार चला। सभी जांचें हुईं और मरीज की लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी मिनिमल इनवेसिव सर्जरी की गई। सर्जरी के बाद मरीज का कहना है कि वह पहले से बहुत अच्छा महसूस कर रही है और उसे अब पेट में दर्द भी नहीं हो रहा है।

डॉ. मंजू सिंह के अनुसार, जब ये छात्रा यहां भर्ती हुई तब हमने नियमानुसार सबसे पहले इसकी सूचना चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी और अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर को दी। डीन डॉ. विवेक चौधरी एवं अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने मरीज की सर्जरी से संबंधित समस्त औपचारिकताओं को अतिशीघ्र पूर्ण कराकर विदेशी छात्रा के इलाज को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। साथ ही छात्रा के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। सर्जरी के बाद मरीज स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो गई है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 21 मई 2025

पत्थलगांव नगर पंचायत की सीमाएं ही नगर पालिका की सीमा होंगी

रायपुर (विसं)। जशपुर जिले के पत्थलगांव को नगर पंचायत से नगर पालिका में सम्मिलित करने हेतु छत्तीसगढ़ राजपत्र प्रकाशित किया गया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा अधिसूचना जारी किया गया है। जिसमें अंतर्गत् छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 5 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य शासन एतद्वारा पत्थलगांव क्षेत्र को नगर पालिका गठित किया है। नगर पालिका पत्थलगांव की सीमा में नगर पंचायत पत्थलगांव का क्षेत्र सम्मिलित किए जाएंगे। नगर पंचायत पत्थलगांव की सीमाएं ही नगर पालिका पत्थलगांव की सीमा होंगी। वर्ष 2011 के अनुसार इसकी जनसंख्या 16 हजार 613 है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में आज से बदलेगा मौसम, कई जगह आंधी-बारिश का अलर्ट

रायपुर (विश्व परिवार)। भीषण गर्मी और उमस का सामना कर रहे छत्तीसगढ़ के लोगों को जल्द ही थोड़ी राहत मिलने वाली है. मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले 48 घंटे के भीतर मौसम का मिजाज बदलने वाला है. मौसम का मिजाज बदलने के साथ साथ तापमान में भी 2 से लेकर 4 डिग्री तक की कमी आ सकती है. बीते कुछ दिनों से छत्तीसगढ़ के ज्यादातर जिले भीषण गर्मी की चपेट में हैं. बदलने वाला है मौसम का मिजाज: मौसम विभाग की मानें तो आने वाले 2 से तीन दिनों के भीतर अरब सागर के कुछ हिस्सों में और मालदीव और कोमोरियन क्षेत्र में मॉनसून में बदलाव देखा जा रहा है. इसके साथ ही मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में और उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में दक्षिण पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने की स्थिति नजर आ रही है. मौसम विभाग के मुताबिक एक पूर्व पश्चिम द्रोणिका पंजाब से उत्तरी बांग्लादेश तक हरियाणा, दक्षिण उत्तर प्रदेश, दक्षिण बिहार से होकर औसत समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर ये द्रोणिका बनी है अगले 48 घंटों में प्रदेश में अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है. हालांकि, इसके बाद तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना जताई गई है. मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण अरब सागर, मालदीव, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण और मध्य बंगाल की खाड़ी तथा उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी में प्री-मानसून गतिविधियां तेज़ हो रही हैं. दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं.

अमरकोट धान घोटाला : 1.65 करोड़ की गड़बड़ी उजागर, तीन कर्मचारी निलंबित एफआईआर के निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। महासमुंद जिले के अमरकोट स्थित धान उपार्जन केंद्र में बड़े पैमाने पर अनियमितता का खुलासा हुआ है। कलेक्टर महासमुंद के निर्देश पर गठित जांच दल की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि केंद्र में 11,416 बोरियों के बराबर 5348.68 क्विंटल धान कम पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ 65 लाख 80 हजार रुपये है। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि इस गड़बड़ी के लिए केंद्र प्रभारी कार्तिकेश्वर यादव, बारदाना प्रभारी तेजराम पटेल और कंप्यूटर ऑपरेटर राजेन्द्र पटेल संयुक्त रूप से जिम्मेदार हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए तीनों कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश जारी किए गए हैं। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक रायपुर द्वारा धान खरीदी नीति 2024-25 की कंडिका 15.9 और त्रिपक्षीय अनुबंध की कंडिका 12.8 एवं 12.11 के तहत सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं।कलेक्टर ने कहा है कि यदि जिम्मेदार अधिकारी समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करते हैं, तो यह निरीक्षण में लापरवाही मानी जाएगी और उनके विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री साय ने किया अटल विहार योजना अंतर्गत 226 आवासों का लोकार्पण

सौंपी सपनों के घर की चाबी और सम्मानजनक जीवन

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सुशासन तिहार के तहत् ग्राम मुरमुंदा स्थित अटल विहार योजना के अंतर्गत निर्मित 226 नवीन आवासों का विधिवत लोकार्पण कर हितग्राहियों को उनके सपनों का घर सौंपा। इस अवसर पर उन्होंने भवन क्रमांक 226 के स्वामी श्री तुषार साहू को गृह प्रवेश कराते हुए कहा, आज हम आपको सिर्फ एक घर नहीं, बल्कि आपके सपनों का आशियाना सौंप रहे हैं। यह क्षण न केवल आपके जीवन का बल्कि शासन के जनकल्याणकारी प्रयासों का भी स्मरणीय पड़ाव है।

मुख्यमंत्री ने सभी हितग्राहियों को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की प्राथमिकता है कि राज्य के प्रत्येक नागरिक को गरिमामय और सुरक्षित आवास उपलब्ध हो। अटल विहार जैसी योजनाएं जनसामान्य को न केवल आवासीय सुविधा देती हैं, बल्कि उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी अहम भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

आवास क्रमांक 226 के लाभार्थी श्री तुषार साहू ने मुख्यमंत्री के हाथों गृह प्रवेश प्राप्त कर अभिभूत होते हुए कहा कि हमेशा एक सुंदर, स्वच्छ और शांत वातावरण में रहने का सपना देखा था। वर्षों का यह सपना आज साकार हुआ। मुख्यमंत्री जी द्वारा गृह प्रवेश कराना मेरे लिए गर्व और भावुकता का क्षण है। उन्होंने बताया कि यह 2 बीएचके आवास सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त है और बाज़ार मूल्य की तुलना में किफायती भी है। श्री साहू इस अवसर पर अपने माता-पिता और परिजनों के साथ उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने उनके आवास का अवलोकन भी किया और निर्माण गुणवत्ता की सराहना की।

कई हितग्राहियों को मिली चाबी- इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा श्री रूपनारायण देवांगन, श्री अरुण साहू, तथा श्री चंद्रशेखर राठौर को भी उनके आवास की चाबी सौंपी गई। भवन क्रमांक 215 के स्वामी श्री अरुण साहू, जो भिलाई इस्पात संयंत्र में पदस्थ हैं। उन्होंने कहा कि रिटायरमेंट से पहले अपने स्वप्निल घर में प्रवेश करना मेरे जीवन की सबसे सुखद अनुभूति है। अटल विहार योजना के माध्यम से राज्य शासन ने हमें वह अवसर दिया है, जिसकी वर्षों से प्रतीक्षा थी।

उज्ज्वल आवासीय भविष्य की सौगात- छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा संचालित अटल विहार योजना के तहत ग्राम मुरमुंदा में लगभग 10 एकड़ भूमि पर 24 करोड़ 57 लाख 98 हजार रुपए की लागत से कुल 226 स्वतंत्र आवास और 12 दुकानों का निर्माण किया गया है। इनमें 55 भवन ईडब्ल्यूएस श्रेणी, 69 एलआईजी-ए टाइप, 86 बी टाइप, 16 एमआईजी टाइप के हैं। सभी भवनों का विक्रय पूर्ण हो चुका है तथा 7 भवनों की रजिस्ट्री भी की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अचानक पहुंचे अछोटी, निर्माणाधीन महतारी सदन का लिया जायजा

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्य सरकार द्वारा सुशासन को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सुशासन तिहार के अंतर्गत आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने दुर्ग जिले के धमधा विकासखंड अंतर्गत ग्राम अछोटी का औचक दौरा किया।

ग्राम अछोटी में मुख्यमंत्री श्री साय हेलीकॉप्टर से अचानक पहुंचे और डायट कॉलेज परिसर में 29 लाख 20 हजार रुपये की लागत से निर्माणाधीन महतारी सदन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का मुआयना किया और स्वयं अपने हाथों से भवन के कॉलम की तराई कर कार्य की मजबूती और पारदर्शिता का संदेश दिया। महतारी सदन, ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और सामुदायिक संवाद का केंद्र बनेगा।

नवीन जिन्दल की मानवीय पहल : 20,000+ जिन्दल स्टील के कर्मचारी सीमावर्ती गांवों के पुनर्वास के लिए देंगे एक दिन का वेतन

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता ने जहां देश को गौरव से भर दिया, वहीं जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले हजारों नागरिकों को भीषण मानवीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तानी सेना द्वारा की गई बर्बर गोलाबारी में निर्दोष लोगों की जान गई और घर-गांव तबाह हो गए।

ऐसे कठिन समय में जिन्दल स्टील के चेयरमैन और कुरुक्षेत्र से लोकसभा सांसद नवीन जिन्दल ने एक संवेदनशील और मानवीय पहल करते हुए इन पीड़ित परिवारों के पुनर्वास में सहयोग का संकल्प लिया है।

इस पहल के तहत नवीन जिन्दल ने राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की है। इस सहयोग में जिन्दल स्टील समूह के 20,000 से अधिक कर्मचारियों द्वारा स्वेच्छा से अपना एक दिन का वेतन देना भी शामिल है। यह सहायता एक व्यक्तिगत दायित्व के साथ साथ एक सामूहिक राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। श्री जिन्दल ने कहा कि सीमा पर रहने वाले हमारे नागरिक भी सैनिकों से कम नहीं हैं। उनका साहस, धैर्य और बलिदान प्रेरणास्पद है। आज जब वे कठिनाई में हैं, तो उनकी सहायता करना हम सभी का नैतिक और राष्ट्रीय कर्तव्य है। हम देशवासियों से अपील करते हैं कि वे भी इस पुनीत कार्य में योगदान दें।

गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई की। इस दौरान पाकिस्तान की ओर से की गई गोलाबारी में कई भारतीय गांव प्रभावित हुए, जिससे कई नागरिक विस्थापित हो गए। जिन्दल स्टील का यह योगदान कोई नया उदाहरण नहीं है। इससे पूर्व भी कंपनी ने कोविड-19 संकट के दौरान देशभर में ऑक्सीजन आपूर्ति से लेकर मुफ्त भोजन वितरण तक अनेक राहत कार्य किये थे और पीएम केयर्स फंड में 25 करोड़ रुपये का योगदान दिया था। 2013 की उत्तराखंड आपदा में भी कंपनी ने सहायता की थी। इस तरह जिन्दल स्टील हर संकट में राष्ट्र के साथ खड़ी रही है।

श्री नवीन जिन्दल का यह निर्णय न केवल एक आर्थिक सहायता है, बल्कि देश से उनके गहरे प्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रमाण भी है। सीमावर्ती क्षेत्रों के हमारे नागरिकों को यह भरोसा दिलाना आवश्यक है कि संकट की इस घड़ी में देश उनके साथ खड़ा है। जिन्दल स्टील परिवार की यह एकजुटता न केवल पुनर्वास की दिशा में एक ठोस कदम है, बल्कि यह राष्ट्र सेवा की भावना को भी जीवंत बनाती है- यही संकल्प एक सशक्त और एकजुट भारत की नींव है।

मैक में महिलाओं के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कक्षाएं

महिलाओं ने हासिल की डिजिटल मार्केटिंग, साइबर क्राईम की जानकारी

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज (मैक), समता कॉलोनी रायपुर में प्रतिवर्ष की भॉंति इस वर्ष भी महिलाओं के लिए ग्रीष्मकालीन नि:शुल्क प्रशिक्षण कक्षाएं जिसे मैक सॉलिटेयर भी कहा जाता है। इस वर्ष एक बैच में 15 अप्रेल से 30 मई तक शाम 4:00 से 5:30 तक प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित किया गया है।

मैक सॉलिटेयर के सम्पूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज के चेयरमैन श्री रमेश अग्रवाल, पूर्व चेयरमेन श्री राजेश अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. एम.एस.मिश्रा के मार्गदर्शन में किया जा रहा हैं।

ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण का लाभ उठा रही महिला प्रतिभागीयों को बीते दिनों प्रशिक्षक के रूप में एस.आई. अपराजिता सिंह राणा ने साइबर अपराध के बारे में सिखाया जिसमें विशेषत: किसी की भी निजी जानकारी कंप्यूटर से निकाल लेना या चोरी कर लेना भी शामिल है, प्रशिक्षक के रूप में सुश्री नेहा जैन ने हेयर स्टाइल के बारे में सिखाया जिसमें लांग-शॉर्ट, बन हेयर स्टाइल, स्ट्रेट लुक, फ्लॉवर सटाइल, पोनी हेयर स्टाइल आदि शामिल हैं एवं प्रशिक्षक के रूप में वरिष्ठ प्रबंधक एच.डी.एफ.सी म्यूचुअल फंड सुश्री मीनाश्री त्रिपाठी द्वारा बजट बनाने और बचत करने की कला, स्मार्ट तरीके से खर्च करना सिखाया। मैक में हो रहे नि:शुल्क ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कक्षाएं में प्रशिक्षक के रूप में अमोल देवांगन ने सोशल मीडिया और डिजिटल मार्केटिंग से जुडे जानकारी जिसमें वेबसाइट, ईमेल, सर्च इंजन एवं सोशल मार्केटिंग विशेष रूप से फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि पर लोगों से जुड़ने और अपने ब्रांड को बढ़ावा देना सिखाया। इस प्रकार सभी प्रशिक्षको ने महिला प्रतिभागीयों को बहुत ही अच्छे से प्रशिक्षित किया।

इस ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कक्षाएं जिसे मैक सॉलिटेयर के नाम से भी जाना जाता है जिसमें महिलाओं के सशक्तिकरण और विकास को सर्वोपरि माना जाता है, जिसमें किसी भी पृष्ठभूमि की कोई भी महिला इस प्रशिक्षण का लाभ उठा सकती है इसमें औपचारिक समापन समारोह का भी भव्य आयोजन किया जाता हैं।

सर्वसमाज रायपुर द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन आज शारदा चौक से

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत की आतंकवाद पर प्रचंड प्रहार पश्चात कूटनीतिक व रणनीतिक विजय पर भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन सर्वसमाज रायपुर द्वारा बुधवार दिनांक 21 मई 2025 को शाम 4 बजे किया गया है। जिसमें राष्ट्र के प्रति समर्पित सभी समाज के प्रमुख एवं सदस्यगण, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार के सदस्य, वरिष्ठ एवं गणमान्य नागरिक, प्रबुद्धजन, समाज प्रमुख, समाजसेवी संस्था के प्रमुख, चिकित्सक, इंजीनियर, व्यापारी संगठन के प्रमुख विशेषरूप से उपस्थित रहेंगे।यह यात्रा संध्या 4 बजे शारदा चौक श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शारदा चौक से प्रारंभ होकर राजधानी रायपुर के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करेगी।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने ग्राम रोहरा एवं डोंगरियाकला में किया भूमिपूजन

52 लाख रुपए से अधिक के अधोसंरचना निर्माण एवं विकास कार्यों की सौगात

साधन और संसाधन के साथ ही अधोसंरचना निर्माण से हर क्षेत्र की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए हम कृतसंकल्पित हैं : भावना बोहरा

पंडरिया (विश्व परिवार)। पंडरिया विधानसभा को विकसित और समृद्ध बनाने एवं एक आदर्श विधानसभा के रूप में नई पहचान दिलाने के लिए विधायक भावना बोहरा लगातार विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर जनता की सुविधाओं के लिए कार्य कर रही हैं। आज ग्राम रोहरा एवं ग्राम पंचायत डोंगरियाकला में विधायक भावना बोहरा द्वारा 52 लाख 46 हजार रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सी.सी.रोड, सामुदायिक भवन एवं अटल सद्भावना भवन का विधिवत भूमिपूजन किया और क्षेत्रवासियों को इन विकास कार्यों के लिए बधाई दी। इस दौरान उन्होंने ग्राम रोहरा में 14 लाख 46 हजार रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सी.सी. रोड और ग्राम डोंगरिया कला में विधायक निधि से 13 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन एवं विभिन्न मद अंतर्गत 25 लाख रुपए की लागत से अटल सद्भावना भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज ग्राम रोहरा एवं डोंगरिया कला में 52 लाख रुपए से अधिक के अधोसंरचना निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। समृद्ध पंडरिया के अपने संकल्प को पूरा करने और जनता की आकांक्षाओं अनुरूप क्षेत्र की प्रगति हेतु यह विकास कार्य महत्वपूर्ण कड़ी हैं। जनता की सुविधाओं का विस्तार एवं क्षेत्र की प्रगति ही डबल इंजन भाजपा सरकार का ध्येय है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के कुशल मार्गदर्शन में आज हमारा प्रदेश दिन प्रतिदिन उन्नति कर रहा है। सेवा,सुशासन और विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने एवं समृद्ध पंडरिया-विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के अपने संकल्प पूर्ति हेतु हम प्रतिबद्ध हैं और डबल इंजन भाजपा सरकार में हर व्यक्ति और क्षेत्र का विकास सुनिश्चित हो रहा है। साधन और संसाधन के साथ ही अधोसंरचना निर्माण से हर क्षेत्र की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए विकास की यात्रा निरंतर जारी है।

विगत डेढ़ वर्षों में छत्तीसगढ़ में डबल इंजन भाजपा सरकार बनने के बाद से विकास कार्यों में निरंतर तेजी आई है। आज हर गाँव, वनांचल क्षेत्रों, दूरस्थ अंचलों, हर नगर एवं शहर में विकास के कार्य तेजी से हो रहें हैं जिससे जनता को सुविधा हो रही है वहीं अधोसंरचना निर्माण कार्यों से प्रदेश की आर्थिक प्रगति भी सुनिश्चित हो रही है। आज हर गाँव में पक्की सड़कों के निर्माण से सुदृढ़ एवं बेहतर आवागमन की सुविधा मिलने से आम जनता को सहूलियत हो रही है। शासकीय योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से लेकर विकास कार्य धरातल पर दिखाई दे रहें हैं। पूर्ण पारदर्शिता से जनता की समस्याओं को सुनकर उसका निराकरण हो रहा है वहीं सुशासन तिहार के माध्यम से सरकार और प्रशासन खुद जनता के बीच पहुंचकर उनसे संवाद कर रहीं हैं, योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है और समस्याओं का स्थल पर ही निराकरण कर रही है, यही सही मायने में प्रदेश में सेवा और सुशासन की सरकार को चरितार्थ करता है। मोदी जी की गारंटी में किये अपने वादों को अक्षरशः पूरा करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी एवं छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार पूर्ण प्रतिबद्ध हैं और आने वाले समय में विकास के यह कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में जन कल्याणकारी योजनाओं का हो रहा धरातल पर सफल क्रियान्वयन

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट कोण्डागांव के सुदूर वनांचलों में बन चुकी आशा की किरण

एम व्ही यू बना पशुपालकों के लिए वरदान, जानकारी के साथ दी जा रही परामर्श

रायपुर (विश्व परिवार)। कोण्डागांव एक आदिवासी बाहुल्य जिला है, जहाँ आजीविका के लिए लोग कृषि के साथ छोटे स्तर पर पशुपालन भी करते हैं, जो परिवार की आय का जरिया भी है। अधिकतर पशुपालक सीमित संसाधनों के साथ पारम्परिक पशुपालन करते हैं, ऐसे में जब पशुओं में कोई गंभीर बीमारी आती है, तो जानकारी के अभाव और समय पर उचित इलाज नहीं करा पाते। नतीजतन पशुओं की मृत्यु के साथ पशु पालकों को आर्थिक नुकसान भी होता है। लेकिन अब यह तस्वीर बदल रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का धरातल पर सफल क्रियान्वयन हो रहा है।

राज्य सरकार द्वारा सभी वर्गो के विकास के लिए योजनाएं बनाकर उन्हें लाभान्वित किया जया रहा है। शासन द्वारा विशेषकर कृषकों और पशुपालकों को भी विशेष प्राथमिकता दी गई है। इसी सोच का परिणाम है मोबाइल वेटरिनरी यूनिट, जो अब कोण्डागांव के सुदूर वनांचल में भी आशा की एक नई किरण बन चुकी है। जहाँ पहले बीमार पशु का समय पर इलाज संभव नहीं हो पाता था, अब वही इलाज पशुपालकों के चौखट तक आ रहा है। एम.वी.यू. सेवा, एलएचडीसीपी योजना के अंतर्गत संचालित है और जिले के सभी विकासखंडों में नियमित रूप से कार्यरत है। 14 सितंबर 2023 से शुरू हुई यह सेवा सिर्फ आँकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों की मुस्कान और भरोसे में दिखाई देती है।

वर्ष 2024-25 में अब तक यह सेवा जिले के 4643 गांवों तक पहुँची है और एम.वी.यू द्वारा 56210 पशु-पक्षियों का इलाज किया गया है, साथ ही 56410 पशुपालकों को नि:शुल्क दवाई वितरित किया गया है। 578 गायों में कृत्रिम, 3150 निकृष्ट बैलों का बधियाकरण, 23002 पशुओं की जांच की गई है और 135586 पशु-पक्षियों का टीकाकरण कर उन्हें बीमारियों से सुरक्षित किया गया है।

पशु चिकित्सा विभाग के निर्देशन में एम.वी.यू. प्रतिदिन तीन गांवों में पहुँचती है और न केवल इलाज करती है, बल्कि पशुपालकों को जरूरी जानकारी और परामर्श भी देती है। मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई सिर्फ इलाज नहीं, भरोसा और आत्मनिर्भरता लेकर आती है। अब जिले के जंगलों के बीच न इलाज की देरी है, न दवाई की कमी। यह गाड़ी न केवल पशुओं को स्वस्थ किया है, बल्कि पालकों के जीवन को भी नई दिशा दी है। ग्राम पदनार के पशुपालक श्री पोहड़ो की भैंस के गर्भाशय में ही बछड़े की मृत्यु हो जाने के कारण वह प्रसव नहीं कर पा रही थी। स्थिति गंभीर होती जा रही थी, तब श्री पोहड़ो ने तुरंत मोबाइल वेटरनरी यूनिट को सूचना दी। एमवीयू की टीम, जो कि पशुओं को घर पहुँच सेवाएं प्रदान करने के लिए कार्यरत है, सूचना मिलते ही त्वरित रूप से मौके पर पहुँची।

कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
वेजर लाइपोसक्शन द्वारा
मोटापे का ईलाज

पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

DEAR TAX PAYER
PLEASE FILE YOUR INCOME TAX RETURN BEFORE DUE DATE TO AVOID LATE FILING PENALTY.
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतू तैयार है।
आयकर, जी.एस.टी. एवं टी.डी.एस. सलाहकार
e-mail : onlytds@gmail.com
शेखर गुप्ता 9300755544
आयकर, टी.डी.एस. एवं जी.एस.टी. सलाहकार
शेखर गुप्ता 7861055544 9300155544
RIFCO TAX Consultants Financial Services
D-6, Sector-2, Devendra Nagar, Raipur.
(गुरुद्वारा के सामने) देवेन्द्र नगर पुलिस थाने के पास, पंडरी, रायपुर
RIFCO Tax Consultants
www.onlytds.com

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354